दैनिक
कारखाने का सफर
मुकाबले के चक्कर में आदमी का जीवन एक कारखाने के समान हो गया है, आदमी का सबसे विश्वसनीय अखबार

भारत को दहलाने के पीछे पाकिस्तान... पेज 5

उत्पन्ना एकादशी के दिन तुलसी... पेज 7

वर्ष 6, अंक 123 | भोपाल, शुक्रवार 14 नवंबर, 2025 | मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, दशमी, 2082 | मूल्य 2 रुपए

मध्य प्रदेश के सबसे बड़े भोजपाल महोत्सव मेले का आज सुंदरकांड के साथ भव्य आगाज

भजन संध्या और रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर होगी शुरुआत

49 दिनों तक चलने वाले मेले में लोगों को भक्ति, मनोरंजन के साथ मिलेगा खरीदारी का मौका

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजा भोज की स्मृति में राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा भोजपाल महोत्सव मेला' शुरू होने जा रहा है। 14 नवंबर (शुक्रवार) शाम 7 बजे से सुंदरकांड पाठ, भजन संध्या और रंग-बिरंगे गुब्बारे छोडकऱ मेले का शुभारंभ किया जाएगा। 49 दिनों तक चलने वाले इस मेले में सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यापारिक गतिविधियों का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। मेला अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि विगत 11 वर्षों से मेले का सफल आयोजन किया जा रहा है, मेले का यह 12वं वर्ष है।

14 नवंबर से 1 जनवरी तक 49 दिन चलने वाले इस मेले में बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और युवाओं के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन किए जाएंगे। मेले में 60 बाय 40 का ट्रेडिशनल मंच, 200 मीटर लंबा भव्य स्वागत द्वार और ट्रेडिशनल सेल्फी जोन बनाया गया है। जहां लोग अपने परिजनों और दोस्तों के साथ सेल्फी लेकर मेले को यादगार बना सकेंगे। सांस्कृतिक आयोजनों में विभिन्न प्रदेशों के लोक कलाकारों के साथ ही बॉलीवुड के कलाकार और सिंगर अपनी प्रस्तुति देंगे।

150 सीसीटीवी कैमरों से लैस होगा मेला परिसर : संयोजक विकास विरानी ने बताया कि यह मेला सामाजिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक आयोजन का पारिवारिक संगम है। एक ही परिसर में शहरवासियों को उनकी जरूरत की हर सामग्री उपलब्ध होगी। लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस चौकी, 50 प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड, 100 से ज्यादा वलंटियर, फायर ब्रिगेड, लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए स्वास्थ्य केंद्र, फीडिंग सेंटर, दिव्यांग और बुजुर्गों के लिए व्हील चेयर, वाहनों के लिए बड़ी पार्किंग के साथ ही पूरा मेला परिसर करीब 150 सीसीटीवी कैमरों से लैस होगा।

इस बार मेले में यह होगा खास : 49 दिनों तक चलने वाले भोजपाल महोत्सव मेले में शहरवासियों को इस बार बहुत कुछ खास देखने को मिलेगा। इसमें बर्ष से ढंके कश्मीर का नजारा देखने को मिलेगा तो दूसरी ओर बाबा अमरनाथ के भव्य दर्शन होंगे। लोगों के मनोरंजन के लिए जलपरियां होंगी, तो युवा जादूगर प्रिंस अपनी टीम के साथ परफार्मेंस देंगे। रोबोटिक एनीमल, डंकी शो के साथ ही रफ्तार की दुनिया का बादशाह, रोलर कोस्टर, टॉवर, रेंजर, ऑक्टोपस, ब्रेक डांस जैसे बच्चों और बड़ों के लिए अत्याधुनिक रोमांचक झूले होंगे।

400 दुकानों में होंगे विभिन्न प्रकार के स्टाल : महामंत्री हरीश कुमार राम ने बताया कि 14 एकड़ क्षेत्र में फैले इस मेले में विभिन्न प्रकार की करीब 400 दुकानें संचालित होंगी। मेले में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक, टेलीकॉम, फर्नीचर, हैन्डी क्रॉफ्ट, हैन्डलूम, महासेल, विभिन्न प्रकार के स्वादिस्ट व्यंजन, बैंकिंग इंश्योरेंस, ऑर्ट गैलरी, इंटीरियर, महिलाओं की सौंदर्य सामग्री, खूर्जा क्राकरी, कपड़े सहित विभिन्न प्रकार की दुकानें होंगी।

इनकी मेहनत से मेले में भरता है रंग : भोजपाल महोत्सव मेले की भव्यता और व्यवस्था को लेकर मेला समिति के पदाधिकारी रात- दिन मेंहनत करते हैं। यही कारण है कि 49 दिनों तक चलने वाला यह मेला अपनी भव्यता के साथ निविर्घन रूप से संपन्न होता है। अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी के नेतृत्व में महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील साह, जाहिद खान, विनय सिंह, अखिलेश नागर, महेंद्र नामदेव, केश कुमार शाह, चन्दन वर्मा, मधु भवनानी मो. रेहान खान सहित अन्य लोग इसे पूरा करने में अपना अहम योगदान देते हैं।

समाचार संपादक की कलम से
–राहुल कौशिक

दिल्ली धमाकों के बाद बड़ा सवालः आखिर हमारा देश निशाने पर क्यों ?—मजबूत नेतृत्व और सुरक्षा तंत्र ने बड़ी साजिश को नाकाम किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

10 नवंबर 2025 को दिल्ली में हुए आतंकी धमाकों ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। यह हमला सिर्फ राजधानी पर नहीं, बल्कि एक उभरते, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर भारत पर गहरा वार था। घटना ने हर भारतीय के मन में यह सवाल उठाया कि आखिर ऐसे हमले क्यों हो रहे हैं और इनका वास्तविक लक्ष्य कौन है?

भारत आज जिस गति और दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह न सिर्फ देश के भीतर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की छवि को नई ऊंचाइयों तक ले जा रही है। लेकिन जितना तेज़ भारत आगे बढ़ता है, उतनी ही तेज़ी से ऐसे आतंकी और असामाजिक तत्व सक्रिय हो जाते हैं जो भारत की स्थिरता और नेतृत्व से घबराए हुए हैं।

क्या यह हमला भारत की मजबूती और नेतृत्व पर वार था?

कई विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में हुआ धमाका महज़ एक आतंकी घटना नहीं थी। यह उन ताकतों का प्रयास था जो भारत की राजनीतिक स्थिरता, आर्थिक मजबूती और अंतरराष्ट्रीय प्रभाव को रोकना चाहती हैं।

आज भारत विश्व मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभा रहा है—और इसका नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे दृढ़, निर्णायक और प्रभावशाली नेता के हाथों में है।

अक्सर विरोधी ताकतें ऐसे ही समय पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करती हैं। लेकिन शायद वे भूल जाते हैं कि आज का भारत, मोदी जी के नेतृत्व में, न तो डरता है और न ही दबता है।

उनकी नेतृत्व क्षमता का सबसे बड़ा पहलू यह है कि संकट के समय देश को एकजुट और दृढ़ रख पाना—और यह बात इस घटना के बाद साफ दिखाई दी।

सुरक्षा एजेंसियों ने मोदी जी की मजबूत नीति के चलते बड़ी साजिश रोकी

रिपोर्ट्स के अनुसार, 10 नवंबर का हमला जितना बड़ा हो सकता था, उसका दसवां हिस्सा भी नहीं होने दिया गया।

क्योंकि पिछले कई वर्षों में—

- राष्ट्रीय सुरक्षा पर मोदी सरकार का आक्रामक फोकस
- खुफिया एजेंसियों का आधुनिकीकरण
- आतंकवाद पर जीरो-टॉलरेंस नीति
- सीमा सुरक्षा में बड़े बदलाव
- तकनीकी निगरानी और आधुनिक उपकरणों की वृद्धि

इन सब ने भारत की सुरक्षा क्षमता को पहले से कई गुना अधिक मजबूत बनाया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह तैयारियाँ और सतर्कता न होती, तो यह हमला कहीं अधिक विनाशकारी हो सकता था।

लेकिन सुरक्षा एजेंसियों ने समय रहते बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया—और यह सीधे मोदी सरकार की कठोर और स्पष्ट सुरक्षा नीति का परिणाम है।

भारत के नेतृत्व की ताकतः संकट में भी स्थिरता और नियंत्रण

हमले के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया स्पष्ट, संयमित और दृढ़ थी।

उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को पूरी ताकत के साथ जांच के निर्देश दिए और जनता को आश्वस्त किया कि—"भारत आतंकवाद के आगे कभी झुकेगा नहीं।"

यह उस नेतृत्व की पहचान है जो संकट के समय भी देश को भरोसा, साहस और दिशा देता है।

मोदी जी की ताकत सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है—

- उनके नेतृत्व में देश ने सीमाओं की रक्षा मजबूत की
- आतंकी नेटवर्क को कमजोर किया
- और कई बड़े हमलों को पहले ही विफल किया

इसी वजह से देश की जनता आज महसूस करती है कि भारत सुरक्षित हाथों में है।

पीड़ित परिवारों के लिए राष्ट्र की संवेदनाएँ : हम उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने इस हादसे में अपने प्रियजनों को खो दिया। उनकी आत्मा की शांति के लिए हम प्रार्थना करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

देश इन कठिन समयों में सिर्फ गुस्सा नहीं दिखाता—बल्कि संवेदना, एकजुटता और इंसानियत भी दिखाता है। यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

हर भारतीय के लिए समझने का समय

आज हमें ये समझना होगा कि—

भारत जितना मजबूत होगा, उतनी ही साजिशें होंगी

लेकिन मोदी जैसे मजबूत नेतृत्व में यह देश किसी भी कोशिश को नाकाम करने की क्षमता रखता है

आतंकवाद आज भी चुनौती है, लेकिन भारत उससे सौ कदम आगे है

जनता की एकता, सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता, और सरकार की दृढ़ नीति—यही हमारी ढाल है

10 नवंबर का हमला सिर्फ एक घटना नहीं, एक चेतावनी है—लेकिन उससे भी ज्यादा, यह भारत की ताकत का प्रमाण है कि एक बड़ा हादसा होने से पहले ही नाकाम किया गया।

निष्कर्षः भारत एकजुट है, नेतृत्व मजबूत है, और भविष्य सुरक्षित है

दिल्ली धमाका हमें याद दिलाता है कि चुनौतियाँ अभी खत्म नहीं हुईं।

लेकिन भारत पहले से कहीं अधिक तैयार, मजबूत और आत्मविश्वासी है।

मोदी जी जैसे निर्णायक नेता के नेतृत्व में भारत की सुरक्षा प्रणाली चौकस है और देश किसी भी खतरे से निपटने की पूरी क्षमता रखता है। हम पीड़ित परिवारों के साथ खड़े हैं, हम अपने सुरक्षा बलों के प्रति आभारी हैं,

और हम संकल्प लेते हैं कि—

भारत को कोई ताकत झुका नहीं सकती।

ग्रो एप ललित केशरे की कंपनी ने शेयर बाजार में दी शानदार शुरुआत

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी बेंगलुरु

बेंगलुरु की ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म Groww की मूल कंपनी बिलियनब्रेन गेराज वेंचर्स, ने बुधवार को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की है। कंपनी के लिस्टिंग डे पर निवेशकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। इसी बीच, बेंगलुरु के एक स्टार्टअप फाउंडर सुधांशु ने ग्रो ऐप के सीईओ ललित केशरे का एक पुराना संदेश साझा किया, जिसमें केशरे ने लिखा था "हे सुधांशु, कभी मिलते हैं, बताना अगर समय मिले।" सुधांशु ने इस संदेश का स्क्रीनशॉट एक्स (पूर्व ट्विटर) पर साझा करते हुए बताया कि आईपीओ से करीब साढ़े तीन महीने पहले ललित उनसे मैटिक्स के बारे में बात करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि ललित और उनका बेटा उस ऐप के नियमित यूज़र हैं और उन्होंने उनसे कई बातें सीखी हैं। सुधांशु ने लिखा कि "उन्होंने बताया था कि वे आज भी रोज़ दो घंटे Groww ऐप का इस्तेमाल करते हैं। इससे मैंने सीखा कि अपने प्लेटफॉर्म के प्रति जुनून और यूज़र रिटेंशन ही सबसे महत्वपूर्ण है।" गौरतलब है कि Groww की शुरुआत 2016 में हुई थी और आज यह भारत के सबसे बड़े रिटेल ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म्स में से एक बन चुका है। बता दें कि इस फिनटेक यूनिकॉर्न को माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला का भी समर्थन मिला है। मौजूद जानकारी के अनुसार, कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 112 रुपये प्रति शेयर पर खुला और कुछ ही समय में 124 रुपये तक पहुंच गया। जबकि इसका इश्यू प्राइस 100 रुपये तय किया गया था। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर भी स्टॉक ने मजबूत शुरुआत की और 114 रुपये प्रति शेयर पर लिस्ट हुआ, जो इश्यू प्राइस से करीब 14 प्रतिशत ज्यादा था। दिन के अंत तक Groww के शेयरों में और तेजी देखने को मिली। NSE पर यह 128.85 रुपये पर बंद हुआ, जो IPO प्राइस से 28.85% ज्यादा है। वहीं BSE पर यह 130.94 रुपये तक पहुंच गया, यानी 30.94% की बढ़त दर्ज की है।

संदिग्धों की अन्य कारों की तलाश में जुटीं जांच एजेंसियां

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली के लाल किला धमाके के बाद जांच तेजी से आगे बढ़ रही है। अब जांच एजेंसियां उस तीसरी कार की तलाश में जुटी हैं जो संदिग्धों से जुड़ी बताई जा रही है और फिलहाल लापता है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यह कार मारुति ब्रेज़ा हो सकती है जिसे आरोपीयों ने रैकी या भागने के लिए इस्तेमाल किया था। मौजूद जानकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों की कई टीमें दिल्ली-एनसीआर और आसपास के राज्यों में इस तीसरी कार की तलाश कर रही हैं।

बता दें कि सोमवार शाम लाल किला इलाके में एक सफेद हुंडई i20 कार में हुए धमाके में कम से कम 10 लोगों की मौत हुई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे।

धमाके के बाद शुरू हुई जांच में पुलिस ने दूसरी संदिग्ध कार, एक लाल फोर्ड इकोस्पोर्ट,

फरीदाबाद से बरामद की थी। यह वही कार बताई जा रही है जो मुख्य आरोपी डॉ. उमर उन नबी से जुड़ी है। इकोस्पोर्ट फरीदाबाद के खंडावली गांव के पास एक फार्महाउस से मिली है, जो आरोपी के एक परिचित का बताया जा रहा है।

गौरतलब है कि यह गाड़ी (DL10CK0458) 22 नवंबर 2017 को पंजीकृत हुई थी और इसके मालिक के रूप में डॉ. उमर का नाम दर्ज है। वही डॉ. उमर उस i20 कार के भी मालिक थे जो धमाके के दौरान इस्तेमाल की गई थी। पुलिस ने दिल्ली परिवहन विभाग से हाल के महीनों में ट्रांसफर हुई सभी गाड़ियों का ब्यौरा मांगा है ताकि जांच को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह तीसरी कार घटना से पहले या बाद में कहां गई और उसमें कोई मौजूद था या नहीं। जांच एजेंसियां इस सुराग को दिल्ली धमाके से जुड़ी बड़ी कड़ी मान रही हैं।

बिहार में एनडीए और महागठबंधन में बढ़ी हलचल, बिहार की राजनीति की दिशा तय करेंगे आज चुनाव के नतीजे

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से पहले एनडीए और इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) दोनों में बेचैनी का माहौल है। शुक्रवार को वोटों की गिनती के दिन से पहले, दोनों खेमों में राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है। महिलाओं सहित मतदाताओं द्वारा रिकॉर्ड तोड़ मतदान ने दोनों गठबंधनों को हैरान कर दिया है, और नेता नतीजों को लेकर आशंकित हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे शुक्रवार को आने वाले हैं और राज्य का राजनीतिक माहौल एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों के लिए बेहद तनावपूर्ण हो गया है। चुनाव में महिलाओं सहित मतदाताओं की रिकॉर्ड भागीदारी ने दोनों प्रमुख गठबंधनों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। नतीजों का इंतजार करते हुए, दोनों खेमों के नेता अपनी-अपनी जीत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। इंडिया गठबंधन के कई नेता नतीजों से पहले अपने घरों पर रहकर जमीनी हकीकत का जायजा ले रहे हैं। कुछ नेता मंदिरों में जाकर माथा टेक रहे हैं और प्रसाद चढ़ाकर जीत की कामना कर रहे हैं। उन्होंने तेजस्वी प्रसाद यादव के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक भी की। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार

को अपने आधिकारिक आवास के पास जेडीयू के वॉर रूम में संक्षिप्त दौरा करने के अलावा कोई सार्वजनिक उपस्थिति नहीं दर्ज कराई। हालांकि उनकी पार्टी जेडीयू सत्ता में वापसी को लेकर सकारात्मक दिख रही है।

विपक्ष खेमे में गुरुवार को कुछ तनाव साफ दिखाई दिया। आरजेडी के एमएलसी सुनील कुमार सिंह, जो लालू प्रसाद के करीबी माने जाते हैं, ने वोटों की गिनती में किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में "नेपाल जैसी क्रांति" की धमकी दी। उन्होंने 2020 के चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि कुछ सीटों पर आरजेडी को मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने शांति बनाए रखने की बात कही और उसी चुनाव में अपनी पार्टी के चार उम्मीदवारों के 1,000 से कम वोटों से हारने का जिक्र किया। वहीं, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने आरजेडी नेता के बयान को हार की हताशा बताया। उन्होंने कहा, ऐसे बयान जनता और मतदाताओं का अपमान हैं। बाद में पुलिस ने सुनील सिंह के खिलाफ सोशल मीडिया पर शांति भंग करने और उकसाने के आरोप में साइबर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की। एक वरिष्ठ एनडीए नेता ने कहा कि चुनाव के नतीजों को चाहे जो भी दिशा मिले, एक बात निश्चित है कि जाति और धनबल ने बदलाव के वोट और एनडीए सरकार की निरंतरता के वोट के बीच की पतली रेखा को पाटने में निर्णायक भूमिका निभाई। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि चुनाव से पहले सरकार द्वारा लगभग 1.5 करोड़ जीविका दीदियों को 10,000 रुपये की राशि का हस्तांतरण, एनडीए की जीत की स्थिति में, सत्ताधारी दल के पक्ष में एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकता है।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबरः 9826035849, 9425006706

राष्ट्रीय आंदोलन में भारत की जनजातियां भी पीछे नहीं रहीं

निखिलेश महेश्वरी की पुस्तक "जनजाति गौरव बिरसा मुंडा" का विमोचन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भगवान बिरसा मुंडा के सार्धशती समारोह के अवसर पर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित शोधपरक और प्रेरक पुस्तक "जनजाति गौरव बिरसा मुंडा" का विमोचन गुरुवार को गरिमामयी वातावरण में सम्पन्न हुआ। विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री श्री निखिलेश महेश्वरी द्वारा लिखी गई इस पुस्तक का प्रकाशन मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल द्वारा किया गया है। यह निखिलेश जी की छठी पुस्तक है, जिसे उन्होंने मात्र डेढ़ महीने में लिखा है। सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान प्रज्ञादीप में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संघचालक श्री अशोक पांडे रहे जबकि अध्यक्षता श्री विश्वास कैलाश सारंग, मंत्री, खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने की। विशिष्ट अतिथियों में निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. खेमसिंह डेहरिया, हिन्दी ग्रंथ अकादमी के संचालक श्री अशोक कड़ेल, एवं पुस्तक के लेखक श्री निखिलेश महेश्वरी उपस्थित रहे।

लेखक श्री निखलिश महेश्वरी ने पुस्तक की भूमिका रखी। उन्होंने पुस्तक में शामिल बिरसा मुंडा के जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण घटनाओं पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ खेमसिंह डेहरिया एवं श्री अशोक कड़ेल ने पुस्तक को आज की युवा पीढ़ी को पठनीय एवं आवश्यक बताया। विमोचन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री अशोक पांडे ने कहा कि बिरसा मुंडा का जन्म 1875 में हुआ, जब अंग्रेजों ने इस देश के स्वाभिमान को कुचलने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेज नहीं चाहते थे कि भारत में विद्रोह उठे, लेकिन इस देश की आत्मा को दबाया नहीं जा सका। इसी काल में समाज में चेतना का पुनर्जागरण हुआ। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा ने देश के पराक्रम और संस्कृति के पुनर्जागरण में ऐतिहासिक योगदान दिया। उन्होंने जनजातीय समाज को अपनी मूल पहचान और संस्कृति से जोड़ा। यज्ञोपवीत धारण, तिलक, जगन्नाथ मंदिर दर्शन जैसी परंपराओं को अपनाने और समाज को भारतीयता की ओर लौटाने का संदेश दिया। बिरसा मुंडा के विचार एकता, अखंडता और स्वाभिमान का प्रतीक हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में मंत्री श्री विश्वास सारंग ने कहा कि निखिलेश महेश्वरी ने अपनी पुस्तक में बिरसा मुंडा के जीवन चक्र, अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष, धर्म परिवर्तन के विरोध, समाज सुधार और शिक्षा जागरण के सभी पहलुओं को प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा — "मात्र 25 वर्ष की आयु में जनजाति समाज के एक पुत्र ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण अर्पित कर दिए। यह पुस्तक समाज को जोड़ने और युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत करने वाली कृति है।" पूर्ववर्ती सरकारों ने बिरसा मुंडा जैसे जननायकों को इतिहास से मिटाने का प्रयास किया, किंतु अब ऐसे महान विभूतियों के योगदान को जन-जन तक पहुँचाना आवश्यक है।

वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों के विरुद्ध महाविद्रोह किया। "जल, जंगल और जमीन" के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और समाज में समानता, शिक्षा, आत्मसम्मान की भावना जगाई। उन्होंने वेदों और रामायण का अध्ययन कर जनजातीय समाज को अपनी मूल संस्कृति से जोड़ने का कार्य किया। ब्रिटिश शासन के दमन के बीच भी उन्होंने अंतिम समय तक संघर्ष किया और 9 जून 1900 की प्रातः रांची जेल में अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनकी स्मृति में जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाता है। सभी अतिथियों ने इस पुस्तक को युवा वर्ग में राष्ट्रीय चेतना और जनजागरण फैलाने वाला ग्रंथ बताया।

कार्यक्रम का संचालन श्री शिरोमणि दुबे ने किया। समारोह में प्रांत अध्यक्ष श्री मोहन गुप्त, जिला प्रभारी श्री दिग्विजय सिंह द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर अनेक गणमान्य नागरिक, शिक्षाविद्, शिक्षक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बच्चों का पार्क खत्म करते हुए पानी की टंकी का हो रहा है निर्माण

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

पार्क में बच्चे खेलते थे शादी समारोह या धार्मिक कथाएं भी आयोजित हो जाती थीं।पार्क में लगाए गए हरे भरे पेड़ों को भी उखाड़ जा रहा है। नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी तत्काल पर्यावरण रक्षा जनता की सुरक्षा के साथ निर्माण कार्य करने हेतु निर्देश प्रदान करें। एनजीटी में ले जाया जाएगा मामला। बड़ी-बड़ी चट्टानें को पार्क की दीवार से ढेर लगा दिए गए हैं उससे बाउंड्री वॉल भी टूट जाएगी। *बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी में एक करोड़ 75 लाख की राशि से 20 लाख लीटर पानी की टंकी का निर्माण करने के लिए ना चादर लगाई गई ना नेट लगाई गईं पोकलेन एवं जेसीबी मशीन द्वारा देर रात तक खुदाई का कार्य करने से आवाज एवं खुदाई से उड़ रही धूल से बच्चे महिला पुरुष बुजुर्ग सभी को भारी परेशानी हो रही है।

भोपाल में वीआईपी भी असुरक्षित, 2 दिन में 3 वारदात

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राजधानी भोपाल की सुरक्षा व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मंगलवार रात शहर के पॉश इलाके में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के पीए से मोबाइल लूट की वारदात ने यह साफ कर दिया कि भोपाल में अब वीआईपी भी सुरक्षित नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि जिस जगह यह वारदात हुई, वहां से कुछ ही दूरी पर जेपी अस्पताल है और उसके मुख्य द्वार पर भी कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। यह इलाका लिंक रोड से सटा हुआ है, जहां दिन-रात वीआईपी मूवमेंट रहता है। कई मंत्री, अधिकारी इसी रास्ते से गुजरते हैं। बावजूद इसके, इस संवेदनशील इलाके में सुरक्षा इंतजाम न होना पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। घटना मंगलवार रात करीब साढ़े आठ बजे की है। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला के पीए सुधीर कुमार दुबे (निवासी तुलसी नगर) जेपी अस्पताल के पास मोबाइल पर बात करते हुए टहल रहे थे। तभी तारण मेडिकल स्टोर के पास बाइक सवार दो बदमाश आए, उनके हाथ से मोबाइल छीना और भाग निकले। सूचना मिलने पर टीटी नगर पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की, लेकिन पुलिस को कोई स्पष्ट फुटेज नहीं मिला। टीआई गौरव सिंह ने बताया कि "कुछ संदिग्ध दिखाई दिए हैं जिनके चेहरे ढके हुए हैं। हम ट्रेल बनाकर अन्य कैमरों से उनकी पहचान की कोशिश कर रहे हैं। मामला केवल एक मोबाइल लूट का नहीं, बल्कि राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोलने वाला है। जहां पर रोज हजारों लोग आवाजाही करते हैं, वहां न तो अस्पताल परिसर में और न ही मुख्य सड़क पर कोई सीसीटीवी कैमरा मौजूद है। सवाल उठता है कि जब राजधानी के वीआईपी इलाकों में यह हाल है, तो बाकी शहरों में सुरक्षा की स्थिति क्या होगी।

डॉ. कमल किशोर दुबे मैजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

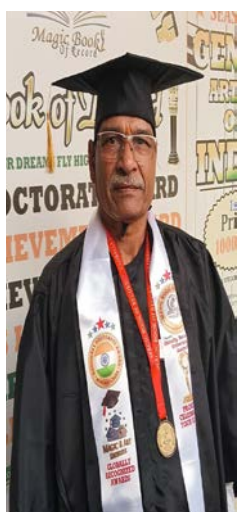

मैजिक बुक ऑफ रिकॉर्ड, मैजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के मानद डॉक्टरेट अवार्ड सम्मान समारोह का भव्य आयोजन 8 नवंबर 2025, शनिवार को दशमेश प्लाजा स्थित कैसल ऑफ आर्ट ऑडिटोरियम,फरीदाबाद में सम्पन्न हुआ। मैजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद के तत्वाधान में आयोजित इस समारोह में भोपाल के डॉ. कमल किशोर दुबे को जनसंपर्क एवं हिन्दी साहित्य सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं विशिष्ट सेवा के लिए मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता मैजिक एंड आर्ट विश्वविद्यालय के चेयरमैन, कुलाधिपति एवं विश्वविख्यात मैजिशियन डॉ. सी.पी. यादव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सीपीआर मास्टर ट्रेनर ऑफ अमेरिका तथा सेंट जॉन एम्बुलेंस इंडिया के उपायुक्त डॉ. राजेन्द्र सैनीतथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्रॉन लैबोरेटरी के सीईओ डॉ.आर.पी.हंस उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि डॉ. कमल किशोर दुबे पश्चिम मध्य रेल से वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त कुशल एवं मिलनसार अधिकारी के साथ-साथ वरिष्ठ साहित्यकार भी हैं। उन्होंने जनसंपर्क अधिकारी के रूप में पश्चिम रेलवे के मुख्यालय चर्चगेट, मुम्बई, अहमदाबाद, इंदौर एवं पश्चिम मध्य रेल के भोपाल, जबलपुर मण्डल तथा मुख्यालय में भी उल्लेखनीय व उत्कृष्ट सेवायें प्रदान की हैं। साहित्य के क्षेत्र में अभी तक उनकी 14 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। जिनमें श्रीमद्भगवद्गीता के दोहा-चौपाई-छंदानुवाद "श्रीहरि सरलगीता" तथा चाणक्य नीति के दोहानुवाद "चाणक्य नीति दोहावली" अनुवादित तथा 12 मौलिक कृतियाँ हैं। जिसमें गीत, ग़ज़ल, कहानी, व्यंग्य, यात्रा वृतांत, दोहा सप्तशती एवं मुक्तक संग्रह शामिल हैं। डॉ. दुबे को साहित्य के क्षेत्र में मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी के अखिल भारतीय भारतेंदु हरिश्चन्द्र पुरस्कार सहित दो दर्जन से अधिक सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। इस समारोह में भोपाल के डॉ. अशोक व्यास एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं विशिष्ट सेवा प्रदान करने वाले वरिष्ठ साहित्यकारों, समाजसेवियों, संगीतकारों व शिक्षकों को इस अवसर पर मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया।

इंटक कर्मचारियों आवाज पहुंचाएगी दिल्ली ज्वाइंट कमेटी में

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

21 नवम्बर 2025 को नई दिल्ली में ज्वाईन्ट कमेटी (जेसीएम) की बैठक का आयोजन किया गया है। भेल भोपाल में हेम्टू इंटक करेगी शुक्रवार को फाउंड्री गेट पर 4 बजे गेट मीटिंग, जिसमें कर्मचारियों की बुलन्द आवाज ज्वाइंट कमेटी कार्पोरेट दिल्ली तक पहुंचाएगी इंटक । जिसमें कर्मचारियों की लंबित मांगो को उठाया जाएगा। कोरोना काल की वजह से जो कर्मचारियों की कटौती की गई वो बहाल कराने एवं अन्य सुविधाओं को रिवाइज कराने हेतु हेम्टू इंटक के अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने विशाल गेट मीटिंग का आयोजन किया है । ज्वाइंट कमेटी में कर्मचारियों से सम्बंधित मुद्दे मुख्य रूप से नाईट एलाउन्स का रिवीजन, रिवार्ड स्कीम को रिवाइज करना है एवं अन्य मुद्दे

भेल की जमीन पर पहला हक भेल में कार्यरत कर्मचारियों का, रेल्वे एवं कोल के पैर्टन पर अनुकम्पा नियुक्ति, मिनिमाईज की गई रिवार्ड स्कीम को रिवाईज कर कम से कम 10 हजार रूपये प्रतिमाह का भुगतान, रात्रिकालीन भत्ता, किसी भी कर्मचारी की मृत्यु के उपरान्त उनके बच्चों को मेडिकल चाइल्ड केअर लीव का सवैतनिक भुगतान, वेज रिविजन समझौते के अनुसार 5 वर्ष पूर्ण होने के उपरांत लेपटॉप का वितरण, ई.पी.एस. 95 हायर पेंशन एवं अन्य मुद्दों को लेकर 14 नवम्बर शुक्रवार को शाम 4 बजे फाउंड्री गेट पर विशाल गेट मीटिंग रखी है। जिसमें समस्त कर्मचारियों से आने की अपील की है। उक्त जानकारी इंटक के मीडिया प्रभारी सी आर नामदेव ने दी।

21 नवंबर को भोपाल के 25,000 छात्र देंगे `भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा'

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार (शांतिकुंज, हरिद्वार) द्वारा आयोजित "भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025" का आयोजन इस वर्ष 21 नवंबर, शुक्रवार को भोपाल में किया जाएगा। इस परीक्षा में शहर के लगभग 300 विद्यालयों ओर महाविद्यालयों के करीब 25,000 छात्र-छात्राएँ भाग लेंगे। यह परीक्षा वर्ष 1994 से भोपाल से डॉ.शंकर लाल पाटीदार के मार्गदर्शन में प्रारम्भ हुई थी जो निरंतर आयोजित की जा रही है और आज यह अभियान देश के 22 राज्यों और नेपाल सहित अन्य देशों में भी अपनी पहुँच बना चुका है। राष्ट्रव्यापी स्तर पर हर वर्ष लगभग 50 लाख विद्यार्थी इस परीक्षा में सम्मिलित होते हैं, जिनका मार्गदर्शन करने में लगभग दो लाख अध्यापक और स्वयंसेवक जुड़े हुए हैं।

परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के गौरव, वैज्ञानिक आध्यात्म, ऋषि-परंपरा के शोध कार्यों और जीवन मूल्यों से परिचित कराना है, ताकि वे "जीवन जीने की कला" को समझ सकें और संस्कारित नागरिक बन सकें। भोपाल में परीक्षा संचालन की सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा सामग्री, जिसमें प्रश्न पत्र और OMR शीट शामिल हैं, परीक्षा से दो दिन पूर्व सभी केंद्रों पर पहुँचा दी जाएँगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र (विद्यालय या महाविद्यालय) को एक अलग कोड आवंटित किया गया है ताकि परीक्षा सुचारु और पारदर्शी ढंग से संपन्न हो सके।

यह परीक्षा कक्षा चौथी से लेकर महाविद्यालय स्तर तक होती है। प्रत्येक वर्ग के लिए 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनका उत्तर OMR शीट पर देना होता है। महाविद्यालय स्तर पर ए और बी ग्रुप बनाए गए हैं, जिनमें प्रथम पुरस्कार 3500, द्वितीय 2000 और तृतीय 1500 रखा गया है। विद्यालय स्तर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार क्रमशः 3000, 2000 और 1500 निर्धारित किए गए हैं। परीक्षा परिणाम लगभग एक माह बाद घोषित किए जाएँगे। मूल्यांकन का कार्य गायत्री परिवार के स्वयंसेवकों द्वारा किया जाएगा, जो परीक्षा के पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त हैं। परीक्षा का संपूर्ण संचालन कन्हैया लाल पटेल जी , के पी रावत जी और पूनम चंद वर्मा जी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

रमेश नागर मीडिया प्रभारी ने बताया कि यह परीक्षा न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान का परीक्षण है, बल्कि भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने का एक सशक्त प्रयास भी है।

आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन, भोपाल द्वारा बाल-दिवस के अवसर पर `बाल विभा-2025' का आयोजन किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बाल-दिवस के उपलक्ष्य में आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन, भोपाल द्वारा साहित्य, सृजनशीलता और बाल चेतना को समर्पित कार्यक्रम 'बाल विभा-2025' का आयोजन गुरुवार शाम 4:30 बजे दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में किया गया। इस कार्यक्रम में बाल साहित्य के विभिन्न आयामों को रेखांकित करते हुए आरिणी बाल साहित्य साधना सम्मान, पुस्तक विमोचन और बाल नाट्य प्रस्तुतियाँ दी गयीं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे डॉ. विकास दवे, निदेशक, साहित्य अकादमी (म.प्र. शासन), मुख्य अतिथि विख्यात बाल साहित्यकार डॉ. नागेश पांडेय 'संजय' (शाहजहांपुर), विशिष्ट अतिथि के रूप में महेश सक्सेना, निदेशक, बाल साहित्य शोध संस्थान, भोपाल और सारस्वत अतिथि के रूप में अनीता सक्सेना, अध्यक्ष, सकलपर्णा, भोपाल उपस्थित रहीं।

अध्यक्ष डॉ विकास दवे ने कहा कि बच्चों को तो प्रभाती सुनाकर हम जगा सकते हैं लेकिन बडों को नींद से जगाने कौन आयेगा। मुख्य अतिथि डॉ नागेश पांडेय 'संजय' ने कहा जब पुरुस्कार के लिए लेखन हो रहा हो तब लेखन के लिए पुरस्कार अद्भुत बात है।

विशिष्ट अतिथि महेश सक्सेना ने कहा, 'पेरेंटिंग की विधियों को अपने लेखन का विषय बनायें एवं बच्चों से बातचीत करते रहें।' इस अवसर पर डॉ. विकास दवे की सात चयनित बाल कहानियों का बुंदेली अनुवाद 'बाल बच्चन की किसा कहानियाँ' (अनुवादक डॉ. मीनू पांडेय नयन, प्रकाशक भाव्या प्रकाशन) पर चर्चा प्रसिद्ध लेखिका डॉ. साधना शुक्ला द्वारा प्रस्तुत की गयी। डॉ. मीनू पांडेय नयन की दो नई कृतियाँ 'उठो लाल अब आँखें खोलो' (ज्ञान मुद्रा प्रकाशन) और 'आए दिनकर तुम्हें जगाने' (इंद्रा प्रकाशन, भोपाल) का विमोचन संपन्न हुआ , जिनकी समीक्षा वरिष्ठ बाल साहित्यकार कीर्ति श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम की आरंभ हंसा श्रीवास्तव द्वारा बुंदेली में प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ, संचालन प्रेक्षा सक्सेना द्वारा किया गया एवं आभार शेफालिका श्रीवास्तव द्वारा प्रकट किया गया। दो बाल नाटकों का मंचन किया गया 'कलयुग का लॉलिपॉप' (रचना व निर्देशनः प्रेक्षा सक्सेना) जो मोबाइल के दुरुपयोग पर आधारित था और 'ओजोन परत' (लेखिकाः सरोज लता सोनी, निर्देशनः सुधा दुबे), जो पर्यावरण संरक्षण पर आधारित था। आरोही सिंह द्वारा नृत्य की प्रस्तुत दी गयी। इसके पश्चात आरिणी बाल साहित्य साधना सम्मान-2025 प्रदान किए गये।

निर्णायक मंडल के सभी सदस्यों का सम्मान किया गया। फिर चयनित पाँच बाल साहित्यकारों को सम्मान राशि, शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मानित किए गए लोगों में स्व. पं. जगदीश प्रसाद पांडेय स्मृति आरिणी बाल साहित्य साधना सम्मान (समग्र अवदान): प्रो. (डॉ.) नागेश पांडेय 'संजय', शाहजहांपुर। स्व. तारा पांडेय स्मृति आरिणी बाल साहित्य साधना सम्मान (गद्य): डॉ. युगल सिंह, कोटा, राजस्थान, कृति – 'हाड़ौती अंचल का बाल साहित्यः उद्भव एवं विकास'। स्व. कस्तूरी बाई स्मृति आरिणी बाल साहित्य साधना सम्मान (पद्य): डॉ. रंजना शर्मा, कृति – 'आजा री निंदिया' (लोरी संग्रह) और डॉ. वर्षा चौबे, कृति – 'बच्चो तुम स्वाभिमान धरा के'। स्व. उमेश चंद्र मिश्रा स्मृति आरिणी बाल साहित्य साधना सम्मान (युवा लेखन हेतु): प्रेमलता साहू, जांजगीर-चांपा (छत्तीसगढ़), कृति – 'एक परी हमारी'। आरिणी चैरिटेबल फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. मीनू पांडेय नयन ने बताया कि यह आयोजन बाल साहित्य, संवेदना और सृजन के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाने का एक प्रयास है। इस समारोह में भोपाल के साहित्यकार एवं नाट्य प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाया।

भेल ऑफिसर्स क्लब, भोपाल में "ओपन टेनिस टूर्नामेंट (विंटर एडिशन 2025) का शुभारंभ हुआ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भेल ऑफिसर्स क्लब, भोपाल में "ओपन टेनिस टूर्नामेंट (विंटर एडिशन 2025)" का शुभारंभ किया गया । यह प्रतियोगिता 13 से 16 नवम्बर तक चलेगी,जिसमें चार दिनों तक रोमांचक और प्रतिस्पर्धात्मक टेनिस मुकाबले देखे जाएंगे। इस टूर्नामेंट में विभिन्न श्रेणियाँ शामिल हैं – अंडर 12 बॉयज़ एवं गर्ल्स, मेंस सिंगल्स, विमेंस सिंगल्स, मेंस सिंगल्स (35+), तथा मेंस डबल्स (संयुक्त आयु 45+)। भोपाल और आसपास के क्षेत्रों से 130 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर इस आयोजन को अभूतपूर्व प्रतिसाद दिया है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि थे इलैयाराजा टी (IAS),प्रबंध निदेशक,म. प्र. राज्य पर्यटन विकास निगम,एवं विशिष्ट अतिथि रूपेश तेलंग, महाप्रबंधक (ट्रांसफॉर्मर्स एवं फीडर्स),भेल भोपाल एवं अध्यक्ष,भेल ऑफिसर्स क्लब उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता के सह-प्रायोजक हैं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), जबकि होंडा एवं SBI कार्ड्स आयोजन सहयोगी हैं। प्रतिभागियों को 12 नवम्बर को हुए साइन-इन के दौरान आकर्षक गूडीज़ प्रदान की गईं, तथा प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं और उपविजेताओं को नगद पुरस्कार दिए जाएंगे।

भेल भोपाल इकाई प्रमुख प्रदीप कुमार उपाध्याय के आशीर्वाद से यह आयोजन टेनिस सचिव प्रतीक श्रीवास्तव के नेतृत्व में, क्लब अध्यक्ष रूपेश तेलंग एवं उपाध्यक्ष एस. एस. पटेल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। आयोजन में महासचिव मयूर दुबे, कोषाध्यक्ष रितेश अवस्थी तथा क्लब के अन्य पदाधिकारियों का सक्रिय सहयोग रहा है। उत्साही खिलाड़ियों और सशक्त मैच लाइनअप के साथ, "ओपन टेनिस टूर्नामेंट – विंटर एडिशन 2025" निश्चित रूप से एक भव्य खेल उत्सव सिद्ध होगा, जो फिटनेस, टीम भावना एवं सामुदायिक एकता को बढ़ावा देगा।

सीआईएसएफ ने जनभागीदारी और डिजिटल अभियानों के साथ देश भर में "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

राष्ट्रीय गीत "वंदे मातरम" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गृह मंत्रालय (MHA) के निर्देशों का पालन करते हुए, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) की सभी इकाइयों ने आयोजित उद्घाटन समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर, नई दिल्ली स्थित बल मुख्यालय एवं सभी CISF इकाइयों में सुबह 10 बजे "वंदे मातरम" के पूर्ण संस्करण का सामूहिक गायन आयोजित किया गया। बल मुख्यालय में 200 से अधिक कर्मियों ने देशभक्ति के जोश के साथ भाग लिया। देश भर में अपनी विशाल भौगोलिक उपस्थिति के साथ, CISF ने इस संदेश का व्यापक प्रसार सुनिश्चित किया। प्रमुख शहरों के साथ-साथ दूरदराज के क्षेत्रों में स्थित इकाइयों ने अधिकतम जनभागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए, जिससे नागरिकों को सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय एकता की साझा भावना से जोड़ा जा सके। सभी इकाइयों के सीआईएसएफ कर्मियों ने "वंदे मातरम के साथ कराओके " नामक डिजिटल अभियान में भी भाग लिया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रगीत के पूर्ण संस्करण को रिकॉर्ड करके अपलोड किया। कई स्थानों पर, उत्सव के उत्साह को बढ़ाने के लिए गायन प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं।

सभी इकाइयों और संरचनाओं ने माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन के सीधे प्रसारण में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे इस राष्ट्रव्यापी स्मरणोत्सव की शुरुआत हुई। अभियान के संदेश को प्रचारित करने के लिए होर्डिंग, बैनर, वेबसाइट क्रिएटिव और एक लघु फिल्म जैसे स्वीकृत ब्रांडिंग सामग्री का भी अनावरण किया गया।

इस राष्ट्रव्यापी उत्सव की गति को बनाए रखने के लिए पूरे वर्ष अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई गई है। "वंदे मातरम" का स्मरणोत्सव भारत की एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना को श्रद्धांजलि है - जो प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाले स्थायी मूल्यों पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करता है। सभी सीआईएसएफ इकाइयों को इन गतिविधियों में बल कर्मियों के साथ-साथ आम जनता को भी शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिससे सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिलेगा और समकालीन समाज में हमारे राष्ट्रीय गीत की शाश्वत प्रासंगिकता को सुदृढ़ किया जा सकेगा।

विधायक भगवानदास सबनानी और सचिव डॉ. प्रियंका गोयल रहे अतिथि

माध्यमिक शिक्षा मंडल कर्मचारी संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

माध्यमिक शिक्षा मंडल कर्मचारी संघ, मध्यप्रदेश, भोपाल के नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह बुधवार, 12 नवंबर 2025 को मण्डल कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष श्री सुधीर नायक ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री भगवानदास सबनानी, विधायक दक्षिण-पश्चिम विधानसभा, भोपाल उपस्थित रहे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती डॉ. प्रियंका गोयल, सचिव, माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने शिरकत की। संघ के संरक्षक श्री उमेश ठाकुर (पंजीयक, माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल), संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री अजय श्रीवास्तव (नीलू) सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। श्री अजय श्रीवास्तव नीलू प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश निगम मंडल अधिकारी कर्मचारी समन्वय महासंघ ने अपने उद्बोधन में अतिथियों ने नव निर्वाचित सदस्यों को बधाई देते हुए मंडल हित में कार्य करने, भविष्य में शासन के आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू करने और कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान हेतु सक्रिय रहने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि विधायक भगवानदास सबनानी ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि प्रदेश के कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए वे सदैव प्रतिबद्ध हैं। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न संघों के पदाधिकारी — श्री अनिल बाजपेयी, श्री गजेन्द्र कोठारी, श्री राजकुमार पटेल, श्री रमेश राठौर, श्री देवेंद्र सहाय सक्सेना, श्री सोहन सिलस्वाल आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का स्वागत भाषण महामंत्री श्री प्रमोद मेवाड़ा ने दिया, संचालन उपाध्यक्ष श्री तेज सिंह परिहार ने किया तथा आभार प्रदर्शन सूचना संगठन मंत्री श्री विकास भरतेले ने किया।कार्यक्रम में मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मंडराया आतंक का साया!

पाकिस्तान को सबक सिखाने के क्या माध्यम हमारे पास हैं? ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरह बीच में रोक दिया गया, उससे सवाल ज्यादा गंभीर हो गए हैं। बिना इनका जवाब दिए देश में आश्वस्ति का वातावरण नहीं बनाया जा सकेगा। दिल्ली में लाल किले के पास कार विस्फोट से ठीक पहले सुरक्षा बलों ने फरीदाबाद में एक बड़े 'आतंकवादी मॉड्यूल' का भंडाफोड़ करने का दावा किया। बताया गया कि उस मॉड्यूल के तार कश्मीर तथा उत्तर प्रदेश में सहारनपुर तक फैले हुए थे। उसके तार आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद और अंसार ग़जवातुल हिंद से जुड़े थे। इस मॉड्यूल के सक्रिय होने का सूचना सुरक्षा बलों को तब मिली, जब एक मेडिकल डॉक्टर की श्रीनगर में जैश के समर्थन में पोस्टर लगाने के इल्जाम में गिरफ्तारी हुई। तो सोमवार दोपहर फरीदाबाद में छापेमारी के दौरान 2,900 किलोग्राम विस्फोटक और हथियार पकड़े जाने की चर्चा से सनसनी फैली। उसके कुछ घंटे पहले गुजरात से खबर आई थी कि वहां आतंकवाद विरोधी दस्ते ने तीन संदिग्ध आतंकवादियों को पकड़ा है। लाल किले के पास विस्फोट इसी के बाद हुआ, जो हर लिहाज से लोगों को हिला देने वाला था। तो जाहिर है, तुरंत इस घटना को आतंकवाद से जोड़ कर देखा गया। हालांकि सुरक्षा बलों ने तुरंत इसकी पुष्टि करने से इनकार किया, लेकिन वारदात के बाद से मीडिया में आईं सूचनाओं ने ऐसे संदेह को और गहरा ही बनाया है। इन घटनाओं से देश में आतंक का साया फिर मंडराता महसूस होने लगा है। गुजरे 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल ने एक भाषण में कहा था कि जम्मू-कश्मीर को छोड़ बाकी पूरे देश को दहशतगर्दी से मुक्त करा दिया गया है। उनके उस बयान से जो आश्वस्ति का संदेश मिला, उसे ताजा घटनाओं से गहरा झटका लगा है। इसी बीच आतंक की हर घटना के तार पाकिस्तान से जुड़े की चर्चा स्वाभाविक रूप से होती है और ताजा मामलों में भी ऐसा होने की स्थिति है। मगर सवाल है कि आतंक के संचालकों को अपने देश में ऐसे लोग क्यों मिल जाते हैं, जो उनके मकसद पूरे करते हैं? और फिर पाकिस्तान को सबक सिखाने के क्या माध्यम हमारे पास हैं? ऑपरेशन सिंदूर को जिस तरह बीच में रोक दिया गया, उसके बाद ऐसे सवाल ज्यादा गंभीर हो गए हैं। बिना इनका जवाब दिए देश में आश्वस्ति का वातावरण नहीं बनाया जा सकेगा।

नीतीश ने भी दिखाए तेवर!

बिहार विधानसभा का चुनाव समाप्त हो गया है और अब नतीजों का इंतजार हो रहा है। लगभग सभी एक्जिट पोल बिहार में एनडीए की सरकार बनने की संभावना जता रहे हैं। असली नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। लेकिन यह चुनाव भाजपा के लिए सबक वाला रहा। नीतीश कुमार को लेकर भारी कुंठा का शिकार भाजपा के नेता इस बार निर्णायक रूप से उनको किनारे करने के लक्ष्य के साथ बिहार में राजनीति कर रहे थे। लेकिन अंत में सबको उनकी शरण में जाना पड़ा। हालांकि नीतीश ने किनारे करने की कोशिशों को बखूबी पकड़ा और इससे नाराज भी हुए। अपनी नाराजगी उन्होंने दिखा भी दी। चुनाव प्रचार शुरू होने के बाद नीतीश कुमार ने किसी भी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा नहीं किया। दोनों की रैलियां अलग हुईं। नीतीश कुमार हेलीकॉप्टर से और सड़क के रास्ते जाकर अपनी जनसभा करते रहे। उम्र और सेहत की तमाम चर्चाओं के बावजूद उन्होंने करीब 70 रैलियां कीं। नीतीश कुमार पटना में मोदी के रोडशो में भी शामिल नहीं हुए। इतना ही नहीं जनता दल यू की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों में शामिल होने वाले नेताओं की जो सूची सौंपी गई उसमें प्रदेश प्रवक्ता स्तर के कई नेताओं के नाम थे। कहा गया कि जनता दल यू का इनमें से जो नेता खाली होगा वह पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होगा। भाजपा के नेताओं को यह बात बुरी लगी लेकिन वे कुछ कह नहीं पाए। जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा की रणनीति की दो बातों ने नीतीश को ज्यादा परेशान किया। पहली बात को यह थी कि मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित नहीं किया गया। ध्यान रहे अक्टूबर 2005 से लेकर अभी तक चार चुनावों में हर बार नीतीश सीएम दावेदार के तौर पर लड़े हैं, चाहे एनडीए में रहे या महागठबंधन में। दूसरी बात बराबर का भाई बनाने वाली थी। कहा जा रहा है की नीतीश ने 105 सीटों की सूची सौंपी थी और कहा था कि 103 पर समझौता हो सकता है। वे एक सीट ज्यादा लेकर भी बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहते थे। लेकिन उनकी सेहत और उनकी पार्टी के नेताओं के साथ करीबी का फायदा उठा कर भाजपा ने बराबर कर दिया। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार ऐसा हुआ कि विधानसभा में भाजपा और जदयू बराबर लड़ रहे हैं।

अंतरिक्ष में भारतीय संचार का नया सितारा सीएमएस-03

पिछले दिनों श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 'बाहुबली' रॉकेट एलवीएम3-एम5 ने भारत के अब तक के सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस-03 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में पहुंचाया और उसी के साथ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। यह प्रक्षेपण न केवल भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नई छलांग है बल्कि यह उस आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है, जिसकी परिकल्पना आज का भारत अपने वैज्ञानिक संकल्प से साकार कर रहा है। करीब 4,410 किलोग्राम वजनी सीएमएस-03 उपग्रह को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (जीटीओ) में स्थापित किया गया है। यह भारत की धरती से अब तक छोड़ा गया सबसे भारी संचार उपग्रह है। यह उपग्रह भारत तथा आसपास के समुद्री क्षेत्रों में मल्टी-बैंड संचार सेवाएं प्रदान करेगा और अगले 15 वर्षों तक देश की संचार प्रणाली की रीढ़ साबित होगा। इस मिशन की सफलता ने एक बार फिर इसरो की वैज्ञानिक दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और अडिग संकल्प का प्रमाण दिया है। 'बाहुबली' नाम अपने आप में इस रॉकेट की क्षमता का परिचायक है। एलवीएम3 (लॉन्च व्हीकल मार्क-3) इसरो का सबसे शक्तिशाली प्रक्षेपण यान है, जो लगभग 43.5 मीटर ऊंचा और तीन चरणों में कार्य करने वाला रॉकेट है। इसकी भार वहन क्षमता ही इसे 'बाहुबली' का दर्जा देती है। यह रॉकेट लगभग 4,000 किलोग्राम वजन तक के उपग्रहों को जीटीओ में और 8,000 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की निम्न कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) तक पहुंचाने में सक्षम है। यह वही रॉकेट है, जिसने भारत को विश्व पटल पर गौरव दिलाने वाला ऐतिहासिक चंद्रयान-3 मिशन लॉन्च किया था, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर भारत का झंडा लहराया। एलवीएम3-एम5 रॉकेट तीन चरणों में कार्य करता है। पहले चरण में इसके दो ठोस बूस्टर रॉकेट एस-200 प्रारंभिक लिफ्ट ऑफ के लिए भारी थ्रस्ट उत्पन्न करते हैं। दूसरे चरण में एल-110 लिक्विड प्रोपल्शन स्टेज आता है, जिसे विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में विकसित किया गया है। तीसरे और अंतिम चरण में क्रायोजेनिक इंजन सी-25 कार्य करता है, जो सैटेलाइट को सटीक रूप से उसकी कक्षा में स्थापित करने की अंतिम जिम्मेदारी निभाता है। यह जटिल प्रणाली और उसकी सटीक कार्यप्रणाली भारत की उस इंजीनियरिंग दक्षता की परिचायक है, जिसने आज विश्व की शीर्ष चार अंतरिक्ष शक्तियों में भारत को स्थापित किया है। इसरो के इस मिशन की सबसे बड़ी सफलता यह है कि यह भारत को भारी उपग्रह प्रक्षेपण में पूर्ण आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करता है। इससे पहले इसरो को अपने भारी उपग्रहों के लिए विदेशी लॉन्च सेवाओं का सहारा लेना पड़ता था, जैसे कि दिसंबर 2018 में जीएसएटी-11 को फ्रेंच गयाना से एरिएन-5 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था। उस समय जीएसएटी-11 (5854 किलोग्राम) इसरो का सबसे भारी उपग्रह था परंतु वह भारत से लॉन्च नहीं हो सका था। आज सीएमएस-03 के सफल प्रक्षेपण के साथ भारत ने यह उपलब्धि अपने दम पर हासिल कर ली है। सीएमएस-03 को इसरो के वैज्ञानिकों ने आधुनिक संचार अवसंरचना की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। यह एक मल्टी-बैंड कम्युनिकेशन सैटेलाइट है, जो देश के दूरस्थ और समुद्री इलाकों में तेज और विश्वसनीय संचार सेवाएं सुनिश्चित करेगा। इस उपग्रह के माध्यम से रक्षा क्षेत्र, नौसेना, आपदा प्रबंधन, नागरिक संचार और डिजिटल कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी सुधार होगा। विशेष रूप से यह नौसेना के लिए समुद्री क्षेत्रों में सुरक्षित और निर्बाध संचार नेटवर्क प्रदान करेगा, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा क्षमताएं कई गुना बढ़ जाएंगी। भारत की समुद्री सीमाएं लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी हैं और उसके पास व्यापक आर्थिक क्षेत्र है। ऐसे में सुदूर समुद्री इलाकों में संचार का सशक्त नेटवर्क आवश्यक है। सीएमएस-03 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, जो भारतीय नौसेना को रणनीतिक रूप से अधिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा। इसके अलावा, यह देश के ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में डिजिटल पहुंच को भी सुदृढ़ करेगा। एलवीएम3-एम5 मिशन की सफलता इस बात का भी प्रमाण है कि भारत अब न केवल वैज्ञानिक तकनीक का उपभोक्ता देश है बल्कि वह तकनीक निर्माता और नवोन्मेषी शक्ति के रूप में भी उभर चुका है। इसरो के वैज्ञानिकों ने खराब मौसम की चुनौतियों और अत्यधिक जटिल तकनीकी परिस्थितियों में भी इस मिशन को सफलता तक पहुंचाया। इसरो प्रमुख वी. नारायणन के शब्दों में, 'यह बाहुबली रॉकेट की ताकत का एक और प्रमाण है। उपग्रह को सटीक रूप से कक्षा में स्थापित किया गया है और यह हमारे वैज्ञानिकों की अथक मेहनत का परिणाम है।' एलवीएम3-एम5 रॉकेट की अब तक की सभी आठ उड़ानें 100 प्रतिशत सफल रही हैं। यह सफलता दर किसी भी विकसित अंतरिक्ष एजेंसी के मानकों पर श्रेष्ठ मानी जा सकती है। भारत के लिए यह मिशन केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है बल्कि यह उस दृष्टि का विस्तार है, जो प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प से जुड़ी है। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत ने हाल के वर्षों में जो प्रगति की है, उसने न केवल विश्व को चकित किया है बल्कि निजी उद्योगों और स्टार्टअप्स के लिए भी अंतरिक्ष तकनीक में नए अवसर खोले हैं। सीएमएस-03 मिशन भारत की उस अंतरिक्ष नीति को भी मजबूत करता है, जिसके तहत देश आने वाले वर्षों में वाणिज्यिक प्रक्षेपण सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। भारत अब वैश्विक स्तर पर उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जो भारी उपग्रहों को स्वयं की तकनीक से अंतरिक्ष में भेजने में सक्षम हैं। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की वैश्विक विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। इसरो के मिशनों की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने हर उपलब्धि सीमित बजट में हासिल की है। एलवीएम3 की संरचना और प्रदर्शन का स्तर यूरोपियन एरिएन-5 या अमेरिकी फाल्कन-9 जैसी श्रेणी के रॉकेटों के समान है जबकि इसकी लागत उन मिशनों की तुलना में बेहद कम है। यही भारतीय प्रतिभा और वैज्ञानिक अनुशासन की असली पहचान है। इस मिशन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि सीएमएस-03 से भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी और रक्षा नेटवर्क दोनों को मजबूती मिलेगी। देश के सुदूरवर्ती द्वीपों, सीमांत इलाकों और समुद्री मार्गों पर निर्बाध संचार स्थापित करना अब अधिक आसान होगा। इस मिशन के जरिए भारत का संचार तंत्र और आपदा प्रबंधन प्रणाली भी अधिक सटीक और प्रभावी होगी। यह उपलब्धि भारतीय युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आज जब विश्व अंतरिक्ष की नई प्रतिस्पर्धा में प्रवेश कर चुका है, जहां अमेरिका, रूस, चीन और यूरोप अपनी तकनीकी श्रेष्ठता सिद्ध करने की होड़ में हैं, भारत ने शांत, दृढ़ और सटीक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अपनी अलग पहचान बनाई है। चंद्रयान-3 के बाद 'बाहुबली' की यह सफलता भारत की उसी निरंतर प्रगति का प्रतीक है, जिसने विज्ञान को राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा है। कुल मिलाकर, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल खोज का नहीं बल्कि सशक्त राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन चुका है। सीएमएस-03 केवल एक उपग्रह नहीं बल्कि भारत की तकनीकी क्षमता, आत्मविश्वास और दूरदृष्टि का प्रतीक है। यह उस युग का उद्घोष है, जिसमें भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नेतृत्व की भूमिका निभाने की दिशा में निरंतर अग्रसर है। इसरो के वैज्ञानिकों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि भारत की प्रतिभा, अनुशासन और धैर्य का कोई विकल्प नहीं। 'बाहुबली' की यह उड़ान आने वाले दशकों तक भारतीय विज्ञान की उपलब्धियों में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगी। यह केवल एक प्रक्षेपण नहीं बल्कि भारत की उस उड़ान का प्रतीक है, जो अपनी शक्ति, अपनी तकनीक और अपने संकल्प के बल पर सीमाओं से परे अंतरिक्ष तक पहुंच चुकी है। निश्चय ही 'बाहुबली' की यह उड़ान भारत की अंतरिक्ष यात्रा के स्वर्ण युग की शुरुआत है, जहां सीमाएं नहीं, केवल ऊंचाईयां हैं।

– योगेश कुमार गोयल

सीएम पद पर सफाई देती रही भाजपा!

पता नहीं भारतीय जनता पार्टी ने बिहार विधानसभा चुनाव से पहले क्या योजना बनाई थी, क्या सर्वे कराए थे और क्या रोडमैप तैयार किया था, जो उसका चुनाव इतना बिखरा और कमजोर दिखा! प्रचार में भाजपा ने कारपेट बॉम्बिंग की। एक दर्जन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के हेलीकॉप्टर बिहार में उड़ रहे थे और देश भर के भाजपा नेता, मंत्री, सांसद पटना से लेकर दूरदराज के शहरों, कस्बों की गलियों में भटक रहे थे। लेकिन चुनाव उसका फिर भी नहीं उठ पाया। आखिर तक भाजपा किसी तरह से चुनाव लड़ती दिखी। प्रशांत किशोर के बारे में कहा जा रहा था कि वे भाजपा की बी टीम हैं लेकिन उनकी जनसुराज पार्टी ने ऐसे उम्मीदवार दिए, जो दूसरी किसी भी पार्टी के मुकाबले भाजपा को ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके उलट ज्यादातर सीटों पर उनके उम्मीदवार जनता दल यू की मदद करते दिख रहे हैं। उम्मीदवारों के चयन से लेकर रणनीति बनाने तक हर क्षेत्र में भाजपा परेशान दिखी। भाजपा की सबसे बड़ी रणनीतिक भूल नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का दावेदार नहीं घोषित करना था। इस साल के शुरू में ही अमित शाह ने कह दिया था कि मुख्यमंत्री का फैसला चुनाव के बाद होगा। उसके बाद उन्होंने कई बार यह बात की। इसके बाद

दूसरी गलती यह हुई कि भाजपा ने बराबर का भाई बनने का दांव चला। जदयू के लोगों को पटा कर और नीतीश कुमार को अंधेरे में रख कर भाजपा ने बराबर सीट ली। इन दो गलतियों से जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई के लिए भाजपा को बीच चुनाव कई तरह के कदम उठाने पड़े। सवाल है कि क्या भाजपा के रणनीतिकारों को पता नहीं था कि जमीन पर नीतीश कुमार को लेकर लोगों में क्या धारणा है? क्या भाजपा के नेता भी इधर उधर के फर्जी सर्वेक्षणों के हिसाब से रणनीति बना रहे थे, जिनमें कहा जा रहा था कि मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार तीसरे नंबर पर हैं और उनसे ज्यादा लोकप्रियता तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर की है? इन सर्वेक्षणों के आधार पर रणनीति बना कर भाजपा फंस गई और उसके बाद पूरा चुनाव संकट प्रबंधन में और सफाई देने में बीता। सोचें, भाजपा के लगभग हर नेता को चुनाव के बीच कहना पड़ा कि नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। यह सौ जूते और सौ प्याज दोनों खाने वाली बात हो गई। कम से कम दो बार अमित शाह ने कहा कि बिहार में सीएम पद की वैकेंसी नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार में सीएम और दिल्ली में पीएम की वैकेंसी नहीं है। बिहार में भाजपा के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने दूसरे चरण का प्रचार बंद होने के बाद कहा कि नीतीश कुमार ही एनडीए के मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं। उससे पहले प्रधानमंत्री के मंच से उनके सामने भाजपा के सांसद राजीव प्रताप रूड़ी ने कहा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री थे, मुख्यमंत्री हैं और मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने हर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि चुनाव के बाद नीतीश ही मुख्यमंत्री होंगे। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हर जगह यह बात कहते रहे कि नीतीश ही सीएम होंगे। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा को अपने सबसे बड़े नेताओं में से एक राजनाथ सिंह से भी कहलवाना पड़ा कि नीतीश ही सीएम के दावेदार हैं। सोचें, इतना कहने की जरुरत क्यों पड़ी? अगर पहले ही कह देते के चुनाव के बाद नीतीश ही मुख्यमंत्री बनेंगे तो किसी को बीच चुनाव में इतनी सफाई नहीं देनी पड़ती और भाजपा के उम्मीदवारों को जमीन पर इतनी समस्या का सामना भी नहीं करना पड़ता।

साफ हवा जीवन का मौलिक अधिकार है!

दिल्ली की हवा में दम घुट रहा है। यह बात सिर्फ वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के आंकड़ों से नहीं समझी जा सकती है। जो लोग इस हवा में सांस ले रहे हैं उनको महसूस हो रहा है कि वे अपने फेफड़े में जहर भर रहे हैं। फिर भी अगर आंकड़ों के लिहाज से ही देखें तो पिछले करीब एक महीने से दिल्ली में एक्यूआई का आंकड़ा बढ़ा हुआ है। दिवाली से कई दिन पहले ही इस साल हवा प्रदूषित हो गई। ऊपर से दिल्ली सरकार की कृपा से इस बार दिवाली में 'ग्रीन पटाखे' भी फूटे। सरकार ने तरह तरह के उपाय करके आंकड़े छिपाने या दबावे के प्रयास किए फिर भी एक्यूआई तीन सौ से ऊपर रहा। यानी दिल्ली की हवा 'बेहद खराब' से लेकर 'गंभीर' श्रेणी में रही। इस पूरी अवधि में सरकार का सारा जोर हवा की गुणवत्ता ठीक करने के उपायों की बजाय यह बताने पर रहा कि इस साल पहले से कम प्रदूषण है और हालात धीरे धीरे सुधर रहे हैं। हालांकि यह सुधार सिर्फ कागजों पर था। असल में दिल्ली की सरकार हो या पड़ोसी राज्यों की सरकारें या केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट सब इसे बुनियादी रूप से पर्यावरण की समस्या मान कर इसको सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। पर्यावरण की समस्या होने के साथ साथ यह लोक स्वास्थ्य से जुड़ी एक बड़ी समस्या है। यह भी कह सकते हैं कि यह हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात हैं, जिससे निपटने के लिए तत्काल कुछ क्रांतिकारी उपायों की जरुरत है। सरकारों और अदालतों को समझना चाहिए कि यह अनायास नहीं है कि लोग साफ हवा की मांग करते हुए सड़कों पर उतरे हैं। यह किसी सरकार का विरोध नहीं है। यह कोई राजनीतिक प्रतिरोध भी नहीं है। यह जीवन के बुनियादी अधिकार को हासिल करने का आंदोलन है। लोग अपने बच्चों के लिए और अपने घरों के बुजुर्गों की सांस सुरक्षित करने के लिए आंदोलन करने पर मजबूर हुए हैं। इस बात ने उनको नाराज किया है कि वायु प्रदूषण के कारण उनकी आंखों में जलन हो रही है, गले में स्थायी खराश है और सीने में जकड़न बढ़ रही है और दूसरी ओर सरकार कह रही है कि हालात पहले से ठीक हैं और धीरे धीरे सुधार हो रहा है पहले से ठीक होने और धीरे धीरे सुधार के दावे को लेकर पहला और बड़ा सवाल तो यह है कि दिल्ली में इतना प्रदूषण कैसे हुआ? यह सवाल इसलिए है कि हर बार पंजाब, हरियाणा,

पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के किसानों पर दिल्ली के प्रदूषण का दोष डाल दिया जाता है। हर बार कहा जाता है कि किसान पराली जला रहे हैं इसलिए दिल्ली की हवा दूषित हो रही है। लेकिन इस बार तो पंजाब और हरियाणा में किसानों के पास पराली बची ही नहीं थी जलाने के लिए! पंजाब में तो ऐसी बाढ़ आई कि राज्य के सभी 23 जिले उसमें डूबे। किसानों की लगभग सारी फसल बरबाद हो गई। ऊपर से सरकार की ओर से पराली को लेकर इतनी सख्ती की जा रही है, जिसकी मिसाल नहीं है। किसानों की एमएसपी बंद करने और भारी जुर्माना लगाने के नियम बने हैं, जिससे डर कर किसान पराली नहीं जला रहे हैं या चोरी छिपे कहीं थोड़ी बहुत पराली जलाई गई। इसके बावजूद दिल्ली की हवा पहले की ही तरह प्रदूषित रही। जाहिर है दिल्ली में हवा के प्रदूषित होने के दूसरे भी कारण हैं और वो कारण ज्यादा प्रभावी हैं। ध्यान रहे किसानों को दोष देना सबसे आसान काम है, जो अब तक किया जा रहा है। परंतु बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों को या कोयला आधारित बिजली संयंत्रों को या दूसरे बड़ी फैक्टरियों को दोष देने से सब बचते रहे हैं। एक दूसरी समस्या यह है कि सरकारें इसे मौसमी समस्या मान कर इससे निपटने के उपाय करती हैं। माना जाता है कि प्रदूषण की समस्या नवंबर से जनवरी तक यानी तीन महीने रहेगी और इन तीन महीनों में कुछ न कुछ उपाय करते हुए दिखना है और फिर सर्दियां खत्म होते ही प्रदूषण कम हो जाएगा तो इसे भूल जाएंगे। यह भी माना जाता है कि कभी भी तेज हवा चलने लगेगी या बारिश हो जाएगी तो हवा में मौजूद हानिकारक पार्टिकुलेट मैटर कम हो जाएंगे और हवा साफ हो जाएगी। इसी सोच में कृत्रिम बारिश के तमाशे का भी स्वांग कई दिनों तक चलता रहा था। कई दिनों क्या इस तमाशे की चर्चा कई महीने तक चली। अंत में हुआ कुछ नहीं। जाहिर है बुनियादी समस्या एटीट्यूड और एप्रोच की है। वायु प्रदूषण को पर्यावरण की तात्कालिक समस्या मानने के एटीट्यूड और इससे निपटने के तात्कालिक उपायों की एप्रोच के कारण कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पा रहा है। दुनिया के दूसरे देशों ने ऐसी समस्या का समाधान निकाला है। बीजिंग तो एक दशक पहले इससे गंभीर वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा था। लेकिन लोगों के लगातार दबाव के बाद सरकार एक्शन में आई और उसने सफाई के उपाय किए। आज बीजिंग के नागरिक साफ हवा में सांस ले रहे हैं। अगर चीन की मिसाल उपयुक्त न लगे तो उत्तरी मैसिडोनिया की मिसाल ली जा सकती है। वहां तो पिछले साल ही बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क पर उतर कर प्रदर्शन किया, जिसके बाद सरकार को हवा की सफाई की ठोस योजना लागू करनी पड़ी। भारत में भी पहली बार लोग साफ हवा के लिए सड़क पर उतरे हैं। इंडिया गेट पर हुए प्रदर्शन को गंभीरता से लेने की जरुरत है। यह किसी कर्मचारी संघ या किसान समूह या मजदूर संघ या किसी भी हित समूह का प्रदर्शन नहीं था, जिसे पीछे से कोई संगठन निर्देशित कर रहा था। यह आम नागरिकों का प्रदर्शन था, जो साफ हवा में सांस लेने के अधिकार के लिए सड़क पर उतरे थे। प्रदर्शन में लोगों का गुस्सा और उनकी निराशा दोनों साफ दिख रहे थे। केंद्र और दिल्ली सरकार दोनों को आम नागरिकों की इस भावना को समझना चाहिए। अगर सरकारें किसानों को, नागरिकों को या बारिश और हवा को दोष देती रहेंगी तो धीरे धीरे लोगों का गुस्सा बढ़ेगा। समय काटने और अपने आप हवा की गुणवत्ता में सुधार हो जाने पर संतोष कर लेने की एप्रोच भी लोगों को नाराज करेगी। क्योंकि यह सिर्फ तीन महीने की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे साल की समस्या है और सिर्फ पर्यावरण की नहीं, बल्कि लोक स्वास्थ्य की भी समस्या है। इसलिए वन व पर्यावरण मंत्रालय से लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय और शहरी विकास से लेकर लोक निर्माण से जुडे तमाम विभागों को एक साथ आकर एक ठोस योजना बनानी होगी, जिससे इस समस्या का स्थायी समाधान निकले।

-अजीत द्विवेदी

भारत को दहलाने के पीछे पाकिस्तान नहीं इस देश का हाथ, चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली में हुए आतंकी धमाके के तार। अब पाकिस्तान और टर्की से जुड़ रहे हैं। जांच एजेंसियों की मानें तो दिल्ली धमाके को अंजाम देने वाला आतंकी उमर तुर्की के अंकारा में बैठे अपने हैंडलर से लगातार संपर्क में था। उसके हैंडलर का कोड नेम उकासा था। यह दोनों आतंकी सेशन ऐप के जरिए लगातार संपर्क में थे। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक तो यह लोग 2022 में भारत से तुर्की गए थे। इनमें उमर समेत फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल का आतंकी मुजमिल भी शामिल था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के सूत्रों ने बताया कि आतंकी उमर नबी और फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल में गिरफ्तार अन्य संदिग्ध सेशन ऐप के जरिए हैंडलर के संपर्क में थे।

जांच एजेंसियां इस ऐप पर हैंडलर्स और संदिग्धों के बीच हुई बातचीत की गहन पड़ताल कर रही हैं। बता दें कि रेडफोर्ट के पास हुए कार विस्फोट में 12 लोगों की मौत हुई और 20 से अधिक लोग घायल हुए। जांच एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक मार्च 2022 में उमर नबी समेत कुछ संदिग्ध भारत से अंकारा गए थे। एजेंसियों को शक है कि इसी दौरान इनका ब्रेन वाश किया गया और इन्हें जैश-ए-मोहम्मद जैसे पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से जोड़ा गया। जाँच के दौरान, यह बात सामने आई है कि वे दिवाली के दौरान भीड़-भाड़ वाले इलाकों को भी निशाना बनाना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं कर पाए। पुलिस ने बताया कि जाँचकर्ताओं ने दो टेलीग्राम समूहों के ज़रिए एक "डॉक्टरों के मॉड्यूल" के कट्टरपंथीकरण का पता लगाया है, जिनमें से एक समूह पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी उमर बिन खत्ताब द्वारा चलाया जाता है। जाँचकर्ताओं का मानना है कि संदिग्ध 2008 में हुए 26/11 के मुंबई हमले जैसा हमला करना चाहते थे। पुलिस ने फरीदाबाद में नबी के नाम पर पंजीकृत एक लाल रंग की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार ज़ब्त की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कार का दिल्ली के न्यू सीलमपुर में पंजीकृत पता "फर्जी" पाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि कार खरीदने के लिए जाली दस्तावेज़ों का इस्तेमाल किया गया होगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फरीदाबाद के अल-फ़लाह विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफ़ेसर नबी, उस विस्फोट से पहले रामलीला मैदान के पास एक मस्जिद गए थे जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी और 30 लोग घायल हो गए थे।

मोदी की खामोशी, पाकिस्तान में होने लगी हाई लेवल मीटिंग, बॉर्डर पर फिर ब्रह्मोस गरजने वाला है

एजेंसी नई दिल्ली

लाल किले के पास धमाका भारत के दिल में जख्म देने की कोशिश और पीछे वही पुराना नाम जैश मोहम्मद जी हां वही संगठन जो पाकिस्तान की गोद में पलता है भारत के खिलाफ जहर उगलता है और हर बार किसी ना किसी नापाक साजिश को रचता है पर इस बार खेल अलग नजर आ रहा है और पीएम मोदी का इरादा भी साफ है। प्रधानमंत्री मोदी भूटान से लौटे और एक पल की देरी किए बिना सीधे अस्पताल पहुंच गए। घायलों का हौसला बढ़ाया और फिर सीसीएस की मीटिंग भी ली। दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट के ज़िम्मेदारों के ख़िलाफ़ निर्णायक कार्रवाई के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर इस घटना को आतंकी हमला घोषित कर दिया, और प्रधानमंत्री मोदी ने 24 घंटे के अंदर दूसरी बार ज़ोर देकर कहा कि आतंकवादियों और उनके आकाओं को कड़ी सज़ा मिलेगी। पाकिस्तान इस बार अपने आप को बचा नहीं पाएगा। हम ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। ऑपरेशन सिंदूर जारी है। और इस बात को भी आप समझिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कई बार कहा कि जो मिलिट्री एक्शन हमने लिया जिस तरीके से आतंक के ठिकानों को हमने नेस्तोनाबूत किया वो ऑपरेशन सिंदूर का मात्र एक एक्सप्रेशन है। मल्टीपल लेवल पे ऑपरेशन सिंदूर चल रहा है। पीएम मोदी की खामोशी बस एक बात कही जा रही है कि इसके पीछे जो कोई भी है हां उसको बख्शा नहीं जाएगा। उसको छोड़ा नहीं जाएगा। प्रारंभिक जाँच से पता चलता है कि दिल्ली हमले और लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद सहित पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठनों के बीच संबंध हैं। इससे भारत की ओर से बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई की संभावना को लेकर पाकिस्तान में चिंताएँ बढ़ गई हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्थिति पर चर्चा के लिए राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और शीर्ष कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक बुलाई। इस बैठक में गृह मंत्री मोहसिन नकवी, कानून मंत्री आजम नजीर तरार और पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी सहित अन्य लोग शामिल हुए। बैठक से पहले, पाकिस्तानी कैबिनेट के कई सदस्यों ने कथित तौर पर कहा कि उनका देश अब भारत के साथ युद्ध की स्थिति में है। स्वास्थ्य मंत्री सैयद मुस्तफा कमाल ने कहा कि मई में शुरू हुआ भारत-पाकिस्तान संघर्ष अभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है, और दिल्ली विस्फोट के बाद सीमा पर तनाव फिर से बढ़ गया है। भारतीय हमले का डर इतना गहरा गया है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी युद्ध की बात करने से परहेज किया है। बैठक के दौरान, आसिफ ने कथित तौर पर प्रधानमंत्री शरीफ से कहा कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति उसे भारत या अफगानिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की इजाजत नहीं देती।

ब्लीड इंडिया... क्या परवेज मुशर्रफ की भारत को हजार जख्म देने की रणनीति पर चल रहे हैं मुनीर, क्यों बढ़ा खतरा

एजेंसी इस्लामाबाद

फील्ड मार्शल असीम मुनीर पाकिस्तान के इतिहास के सबसे शक्तिशाली सैन्य प्रमुखों में से एक हैं। पाकिस्तान के संविधान का 27वां संशोधन उन्हें ऐसी ताकत देने जा रहा है, जिसमें उनको तीनों सशस्त्र बलों और परमाणु बलों का नेतृत्व मिल जाएगा। यह उन्हें नागरिक राजनीतिक वर्ग से ऊपर एक सैन्य सुप्रीमो के रूप में मजबूत करता है। मुनीर की बढ़ती ताकत के साथ-साथ उनके रुख ने ध्यान खींचा है। वह वैचारिक रूप से दक्षिणपंथ की तरफ दिखते हैं और भारत विरोधी हैं। उनकी गतिविधियों को देखकर एक्सपर्ट यह भी कह रहे हैं कि परवेज मुशर्रफ की भारत को हजार कट देने की रणनीति पर वह आगे बढ़ रहे हैं। असीम मुनीर अब फील्ड मार्शल अयूब खान, जनरल याह्या खान, जनरल जिया-उल-हक और जनरल परवेज मुशर्रफ की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद से खासतौर से मुनीर ने अपनी स्थिति को मजबूत किया है। पाकिस्तान ने बीते छह महीनों में अमेरिका, चीन और सऊदी अरब के साथ संबंधों को मजबूत किया है। परवेज मुशर्रफ ने भारत के खिलाफ ब्लीड इंडिया की रणनीति अपनाई थी। यानी सीधे युद्ध में जाने की बजाय भारत को हजार जख्म दिए जाएं। पाक सेना की ओर से हजार जख्म देने का मतलब भारत में आतंकी हमले कराना था। इसके तहत कई भारतीय शहरों में भीषण आतंकी हमलों को परवेज मुशर्रफ के समय अंजाम भी दिया गया। हालिया समय में मुनीर के 'ब्लीड-इंडिया' प्रोजेक्ट की रूपरेखा सामने आई है। खासतौर से 10 नवंबर को नई दिल्ली में ब्लास्ट के बाद आतंकवादी सेल का पर्दाफाश भारत के अंदरूनी इलाकों में आतंकी हमले फैलाने के एजेंडे की ओर इशारा करता है। ऐसा दावा है कि इस आतंकी सेल की देश में कई हमले करने की योजना थी। पाकिस्तान को सीधे युद्ध में हर दफा भारत से नुकसान उठाना पड़ा है। इस साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान में सैन्य ढांचे को बड़ा नुकसान हुआ। पाकिस्तान ने इस दौरान परमाणु हथियारों की बात कर भारत को धमकाने की कोशिश की। इस पर भारत ने सख्त रुख दिखाते हुए स्पष्ट किया कि परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस सबके बीच मुनीर नया रास्ता अपनाते दिख रहे हैं। मुनीर के इशारे पर चल रहा शासन मुशर्रफ के हिंसा के रास्ते पर बढ़ रहा है। इस साल अगस्त में मुनीर ने अमेरिका में पाकिस्तानी प्रवासियों के सामने कहा कि भारत चमकदार कार तो उनका देश बजरी से भरा ट्रक है। यानी पाकिस्तान को अपनी फिक्र ना करते हुए भारत को नुकसान पहुंचाना है। मुनीर की इस तरह की रणनीति निश्चित ही भारत के लिए सुरक्षा संबंधी चुनौती बढ़ा सकता है।

बांग्लादेश में फरवरी में होंगे चुनाव, भारी दबाव के बाद मोहम्मद यूनुस का ऐलान, शेख हसीना की पार्टी के कार्यालय को जलाया गया

एजेंसी ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने अगले आम चुनाव की घोषणा की है। यूनुस ने गुरुवार को बताया है कि अगले साल फरवरी में चुनाव कराए जाएंगे। लंबे समय से चुनाव कराने के लिए राजनीतिक दलों के दबाव के बाद यूनुस की ओर से ये ऐलान किया गया है। यूनुस के चुनाव के ऐलान के बीच शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के खिलाफ हिंसा बढ़ गई है। गुरुवार को ढाका में अवामी लीग के केंद्रीय कार्यालय में आगजनी की गई है। प्रोथोमोलो की रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद यूनुस ने बताया है कि राष्ट्रीय सहमति आयोग ने अंतरिम सरकार को जुलाई राष्ट्रीय चार्टर को लागू करने के संभावित तरीकों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए दो सिफारिश पेश की। प्रस्ताव के अनुसार, सरकार चार्टर के संवैधानिक सुधार प्रावधानों को लागू करने के लिए विशेष आदेश जारी करेगी, जिसके बाद जनमत संग्रह होगा। यूनुस ने बताया घोषणा की है कि राष्ट्रीय संसदीय चुनाव और जनमत संग्रह एक ही दिन होंगे। जनमत संग्रह प्रस्तावित सुधारों को मंजूरी देता है तो अगली संसद एक संविधान सुधार परिषद के रूप में कार्य करेगी और 270 दिनों के भीतर संविधान में संशोधन करेगी। संसद समय सीमा के भीतर ऐसा करने में विफल रहती है तो प्रस्तावित सुधार खुद संविधान में शामिल हो जाएंगे। दूसरी सिफारिश में कहा गया है कि सुधारों को 270 दिनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। इस बीच सामने आया है कि ढाका अवामी लीग के केंद्रीय कार्यालय में गुरुवार दोपहर आग लगा दी गई। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि 10 से 15 लोगों के एक समूह ने इमारत की चौथी मंजिल पर लकड़ी, कागज़ के डिब्बे और अन्य सामग्री इकट्ठा की और उन्हें आग लगा दी। 5 अगस्त को अवामी लीग सरकार के पतन के बाद भी इस इमारत में आग लगाई गई थी। बांग्लादेश में बीते साल की शुरुआत से ही राजनीतिक उठापटक चल रही है। बांग्लादेश में बीते साल मई-जून में शेख हसीना की सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हुए थे। इन प्रदर्शनों के हिंसक होने के बाद 5 अगस्त को शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा था। हसीना के सत्ता संभालने वाले मोहम्मद यूनुस पर जल्दी चुनाव कराने के लिए राजनीतिक दल दबाव डालते रहे हैं। खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी की ओर से तो चुनाव में देरी पर नाराजगी भी जताई गई है। ऐसे में लगातार बढ़ते दबाव के बाद चुनाव का ऐलान हुआ है।

पाकिस्तान अपना घर संभालो... ख्वाजा आसिफ की जंग की धमकियों पर तालिबान ने भी चढ़ाई आस्तीन, मुत्तकी बोले- चुप नहीं बैठेंगे

एजेंसी काबुल

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान से कहा है कि वह अपनी जमीन पर हो रही समस्याओं के लिए उनको जिम्मेदार ना ठहराए। तालिबान विदेश मंत्री ने बेहद सख्त लहजे में पाकिस्तानी सरकार को काबुल पर दोष ना मढ़ने के लिए चेताया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सरकार अगर हमारी तरफ उंगली उठाने की बजाय अपने घर की चीजें ठीक करने पर ध्यान देगी तो उसको ज्यादा फायदा मिलेगा। अगर वह युद्ध की तरफ बढ़ेगी तो उसे कड़ा जवाब मिलेगा। तालिबान की ओर से यह ऐसे समय कहा गया है, जब पाकिस्तान के पीएम, रक्षा मंत्री और दूसरे नेताओं ने इस्लामाबाद धमाके के लिए काबुल को जिम्मेदार कहा है। इस्लामाबाद में हाल ही में बम ब्लास्ट के बाद पाकिस्तान सरकार ने स्पष्टतौर पर ये कहा है कि अफगानिस्तान में पनाह पा रहे टीटीपी जैसे गुट उसकी जमीन पर हमले कर रहे हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने तो अफगान तालिबान को युद्ध की धमकी तक दे डाली है। पाकिस्तान की अफगानिस्तान में हवाई हमलों की धमकी के बाद अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने यह कड़ा बयान दिया है। तालिबान सरकार में विदेश मंत्री मुत्तकी ने कहा, 'पाकिस्तान की ओर से लगातार ये कहा जा रहा है कि उसकी हर समस्या के लिए काबुल जिम्मेदार है। हमने बहुत साफ-साफ कहा है कि हमारी जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे के खिलाफ नहीं होगा लेकिन इस्लामाबाद इसे मान ही नहीं रहा है। हम इस्लामाबाद से कहना चाहते हैं कि अपनी समस्याओं के लिए हमें दोष देना बंद करिए और अपने घर को संभालिए।' आमिर खान मुत्तकी ने अपने बयान में कहा कि टीटीपी और पाकिस्तान आर्मी के बीच लड़ाई दो दशक से भी पुरानी है। पाकिस्तान की आर्मी पर टीटीपी के हमले दो दशक से हो रहे हैं। वहीं तालिबान की काबुल की सत्ता में वापसी चार साल पहले हुई है। ऐसे में टीटीपी से हमारा संबंध जोड़ना या अफगान तालिबान की ओर इस समस्या के लिए इस्लामाबाद का उंगली उठाना ठीक नहीं है। पाकिस्तान को इससे रुकना चाहिए। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मुत्तकी ने कहा कि उनकी ओर से शांति बनाए रखने की हर संभव कोशिश हो रही है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने बार-बार उनकी संप्रभुता का उल्लंघन किया है। अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन या उसके नागरिकों पर बमबारी की गई तो फिर तालिबान सरकार चुप नहीं रहेगी। पाकिस्तान की ओर से हमला होता है तो हमारे पास जवाब देने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हम कड़ी जवाबी कार्रवाई करेंगे।

आतंकी के लाल किले विस्फोट पर बुरी तरह भड़का अमेरिका, कह दी बड़ी बात

एजेंसी वॉशिंगटन

दिल्ली आतंकी ब्लास्ट पर अब अमेरिका का भी एक बड़ा बयान सामने आया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दिल्ली में हुए विस्फोट को स्पष्ट रूप से आतंकवादी हमला बताया। रूबियो ने कहा कि यह एक आतंकवादी हमला था। यह अत्यधिक विस्फोटक सामग्री से लदी एक कार थी जिसमें विस्फोट हुआ और कई लोग मारे गए। इस दौरान रूबियों ने भारतीयों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि वो बहुत ही नपे तुले और सतर्क और बहुत ही पेशेवर तरीके से इस जांच को अंजाम दे रहे हैं। भारतीय जांच एजेंसियों की तारीफ करते हुए कहा कि उनके जांच अधिकारी बहुत प्रोफेशनल हैं और जांच करने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं। G7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद कनाडा में पत्रकारों से बात करते हुए रूबियो ने कहा हमने मदद की पेशकश की लेकिन मुझे लगता है कि वह इस तरह की घटनाओं की जांच करने में बहुत सक्षम है। उन्हें हमारी मदद की जरूरत नहीं। वो अच्छा काम कर रहे हैं। इससे पहले, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नियाग्रा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर रुबियो से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने कई द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें दिल्ली के लाल किले के पास हाल ही में हुए विस्फोट का मुद्दा भी शामिल था। उन्होंने एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली में हुए विस्फोट में हुई जानमाल की हानि पर उनकी संवेदनाओं का आभार। व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर केंद्रित हमारे द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की। यूक्रेन संघर्ष, मध्य पूर्व/पश्चिम एशिया की स्थिति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर विचारों का आदान-प्रदान किया। इस हफ़्ते की शुरुआत में, अमेरिका ने कहा था कि वह नई दिल्ली में स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहा है और सहायता के लिए तैयार है। विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि हमें दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट की जानकारी है। हम स्थिति पर कड़ी नज़र रख रहे हैं और राजनयिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हैं। सरकार ने लाल किले के पास हुए कार विस्फोट को 'आतंकवादी घटना' करार दिया इस बीच, सरकार ने बुधवार को लाल किले के पास हुए विस्फोट को आतंकवादी घटना करार दिया, जबकि जाँच के दौरान यह बात सामने आई है कि विस्फोटकों से लदी कार चला रहे डॉ. उमर नबी ने 6 दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी के मौके पर यहाँ हमले की योजना बनाई थी। विस्फोट की जाँच में शामिल अधिकारियों ने बताया कि उमर और एक अन्य प्रमुख संदिग्ध डॉ. मुज़म्मिल गनई ने 2021 में तुर्किये की अपनी यात्रा के दौरान प्रतिबंधित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद (JeM) के सक्रिय कार्यकर्ताओं से मुलाकात की थी। उन्होंने यह भी कहा कि मुज़म्मिल के मोबाइल फ़ोन से प्राप्त डंप डेटा के विश्लेषण से पता चला है कि उसने जनवरी के पहले हफ़्ते में कई बार लाल किले क्षेत्र की रेकी की थी।

उनके जैसे गेंदबाज को... मोहम्मद शमी को क्यों बाहर रख रहे टीम इंडिया के सेलेक्टर शुभमन गिल ने आखिरकार तोड़ी चुप्पी

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने स्वीकार किया कि स्पिनर और अतिरिक्त तेज गेंदबाज के बीच चयन टकराव से कम नहीं है लेकिन भारत जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के लिए अंतिम 11 का चयन करेगा तो घरेलू धरती पर स्पिनरों की महत्वपूर्ण भूमिका को नजरअंदाज नहीं करेगा। तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का ईडन गार्डन्स में अंतिम 11 में शामिल होना तय है, जबकि आकाश दीप टीम में तीसरे तेज गेंदबाज हैं। भारत के पास रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव के रूप में चार स्पिनर हैं। जडेजा, अक्षर और वाशिंगटन बल्लेबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। गिल ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हमेशा ऐसा ही होता है। अगर आप अतिरिक्त तेज गेंदबाज या स्पिनर को लेकर उतरते हैं तो हमेशा टकराव की स्थिति रहती है। इसलिए हम कल परिस्थिति का आकलन करके अंतिम 11 पर फैसला करेंगे।' भारतीय कप्तान ने हालांकि कहा कि मैच का परिणाम बदलने में स्पिनरों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा, 'यह लगभग तय हो चुका है। विकेट कल से अलग दिख रहा है। हम इसे कल सुबह देखेंगे और फिर स्पिन संयोजन के बारे में फैसला करेंगे, क्योंकि स्पिनर ही कमोबेश मैच का परिणाम तय करेंगे।' गिल ने वाशिंगटन, जडेजा और अक्षर के बल्लेबाजी में योगदान पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास अच्छे बल्लेबाजी ऑलराउंडर हैं, चाहे वह अक्षर हों, वाशिंगटन या जडेजा। उनकी गेंदबाजी और बल्लेबाजी का रिकॉर्ड शानदार है, खासकर भारत में। यह रोमांचक टेस्ट मैच होगा और टीम के पास अधिक विकल्प होना अच्छी बात है।' हालांकि गिल इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि अगर कोलकाता में पिच सूखी रहती है तो तेज गेंदबाजों की भूमिका अहम हो सकती है। उन्होंने कहा, 'अगर विकेट सूखा हो तो रिवर्स स्विंग अहम भूमिका निभाती है। इंग्लैंड के खिलाफ 2024 की सीरीज के दौरान तेज गेंदबाजों ने महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए थे, जबकि पिचें स्पिन के अनुकूल थीं। अगर पिच से रिवर्स स्विंग मिल रही हो तो तेज गेंदबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।' दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए मोहम्मद शमी को टीम में शामिल न किए जाने पर काफी बहस हुई, जबकि इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफी मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया था। गिल ने कहा कि शमी जैसे कुशल गेंदबाज का चयन नहीं कर पाना हमेशा मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'अधिकतर गेंदबाज उनके स्तर के नहीं हैं। लेकिन जो गेंदबाज खेल रहे हैं उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है। कभी-कभी शमी भाई जैसे खिलाड़ियों का टीम से बाहर होना मुश्किल होता है। चयनकर्ता ही आपको इसका बेहतर जवाब दे पाएंगे।'

जापान ओपनः क्वार्टर फाइनल में मारी लक्ष्य सेन ने धांसू एंट्री... एचएस प्रणय का दिल दूसरे राउंड में टूटा

एजेंसी नई दिल्ली

भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके कुमामोतो मास्टर्स जापान ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन एचएस प्रणय का सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया। विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता सेन ने 39 मिनट तक चले मुकाबले में दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 21-13, 21-11 से हराया। विश्व के 15वें नंबर के खिलाड़ी सेन का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला सिंगापुर के पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू से होगा। भारत के एक अन्य खिलाड़ी प्रणय को हालांकि 46 मिनट तक चले दूसरे दौर के मैच में डेनमार्क के रासमस गेम्के के हाथों 18-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने

पहले गेम में 8-5 की बढ़त बना ली थी। इसके बाद तेह ने कुछ देर के लिए 10-9 की मामूली बढ़त हासिल कर ली, लेकिन ब्रेक तक भारतीय खिलाड़ी ने फिर बढ़त बना ली। दोनों खिलाड़ियों के बीच 14-13 के स्कोर तक कड़ा मुकाबला देखने को मिला लेकिन इसके बाद लक्ष्य ने लगातार सात अंक बनाकर पहला गेम अपने नाम कर दिया।

लक्ष्य ने दूसरे गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही 5-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने इंटरवल तक 11-3 की बढ़त बनाकर अपने प्रतिद्वंदी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने इसके बाद भी अपनी लय बरकरार रखी और आसानी से मैच जीता।

एशेज से ठीक पहले इंग्लैंड पर मंडराया बड़ा खतरा, एक और गेंदबाज बाहर होने की कगार पर... अब ऑस्ट्रेलिया करेगा बुरा हाल

एजेंसी नई दिल्ली

क्रिकेट फैंस को इस वक्त बेसब्री से इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जाने वाली एशेज सीरीज का इंतजार है। यह सीरीज इस बार ऑस्ट्रेलिया में खेले जाने वाली है। एशेज में पिछले कई साल से इंग्लैंड की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है। लंबे समय से एशेज की ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया के पास है। इस साल इंग्लैंड की टीम कैसे भी ऑस्ट्रेलिया को हराकर इस ट्रॉफी को अपने नाम करना चाहेगी। लेकिन इसी बीच इंग्लैंड की टीम को एक बड़ा झटका लगा है। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले सप्ताह से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच से पूर्व गुरुवार को तब झटका लगा जब उसके तेज गेंदबाज मार्क वुड को हैमस्ट्रिंग में जकड़न के कारण एकमात्र अभ्यास मैच के बीच से हटना पड़ा। इंग्लैंड लायंस के खिलाफ अभ्यास मैच में

पर्थ के लिलाक हिल में मैदान छोड़ने से पहले वुड ने आठ ओवर गेंदबाजी की। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अनुसार यह पहले ही तय कर लिया गया था कि वुड अभ्यास मैच में 8 ओवर गेंदबाजी करेंगे। बोर्ड ने बताया कि वुड का शुक्रवार को स्कैन किया जाएगा और वह शनिवार को फिर से गेंदबाजी करेंगे। यह 35 वर्षीय खिलाड़ी घुटने की सर्जरी के बाद पिछले नौ महीनों से खेल से बाहर हैं। वह अपने पैर पर पट्टी बांधकर अभ्यास कर रहे थे। पहला टेस्ट 21 नवंबर को पर्थ में शुरू होगा।

IPL 2026 की सीक्रेट तैयारी में जुटे धोनी, कैसे कर रहे हैं तैयारी

एजेंसी रांची

इंडियन प्रीमियर लीग के 19वें संस्करण को लेकर हर टीम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार (15 नवंबर) को सभी टीमों को IPL 2026 के लिए अपने रिटेन किए गए प्लेयर्स की लिस्ट जारी करनी है, जिसके बाद अगले महीने आईपीएल ऑक्शन होगा। लेकिन जिन प्लेयर्स का नाम अपनी-अपनी टीम में पक्का है, उन्होंने अगले सीजन के लिए खुद को फिट करने की कवायद तेज कर दी है। इसमें सबसे ज्यादा बेताबी लोगों में महेंद्र सिंह धोनी के बारे में जानने को लेकर है, जिनके आईपीएल 2026 से पहले रिटायरमेंट लेने की संभावना जताई जा रही थी। दरअसल धोनी पिछले कुछ साल से घुटने की चोट से जूझ रहे हैं, जिसके चलते दावा किया जा रहा था कि वे आईपीएल से रिटायरमेंट लेकर चेन्नई सुपर किंग्स के लिए मेंटॉर की नई भूमिका में आ सकते हैं। हालांकि पिछले कुछ दिन में टीम इंडिया के इस पूर्व 'कैप्टन कूल' का रूटीन देखें तो उनके रिटायरमेंट की सारी चर्चाएं महज कोरी अफवाह ही लग रही हैं। धोनी रांची में अपने आलीशान घर से करीब 10 किलोमीटर दूर जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम में खुद को अगले सीजन के लिए तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत में जुटे हुए हैं। इसके लिए उन्होंने बेहद सख्त रूटीन तय कर रखा है ताकि फिर से वे खुद को पहले जैसा ही मैच फिनिशर साबित कर सकें। धोनी पिछले दो महीने से रांची स्टेडियम में खुद को फिट रखने के लिए कठोर मेहनत कर रहे हैं। उनके रोजाना एक तय समय पर अपने घर से निकलने की तस्वीरें और वीडियो आप सोशल मीडिया पर देख सकते हैं, जिनमें वाहन बदलते हैं, लेकिन धोनी का रास्ता एक ही रहता है। कभी वे बाइक चलाते हुए दिखते हैं तो कभी अपनी विंटेज कारों में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इनमें से ज्यादातर वीडियो और फोटोज उनके घर से स्टेडियम जाने के हैं, जहां उनका रूटीन पिछले दो महीने से पूरी तरह फिक्स रहा है। एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि धोनी दो महीने से दोपहर 1.30 बजे स्टेडियम पहुंचते हैं, जहां वे करीब एक घंटा जिम करते हैं। इसके बाद वे पैड पहनकर नेट्स पर करीब दो घंटे तक केवल पॉवर-हिटिंग शॉट्स की ट्रेनिंग करते हैं। यदि सेंटर विकेट खाली होता है और स्टेडियम में मैच नहीं हो रहा हो तो वे उस पर प्रैक्टिस करते हैं। इस दौरान वे दिमाग में मैच जैसे हालात को बनाकर उसके हिसाब से प्रैक्टिस करते हैं। बैटिंग प्रैक्टिस

करने के बाद माही सीधे स्वीमिंग पूल पहुंचते हैं, जहां वे करीब आधा घंटे तक स्वीमिंग के जरिये खुद को रिलेक्स करने और स्टेमिना बढ़ाने की प्रैक्टिस करते हैं। धोनी रोजाना करीब 4.30 घंटे स्टेडियम में बिताने के बाद शाम 6 बजे के करीब वापस जाने के लिए निकलते हैं। उन्होंने साथ ही कहा,'माही वही कर रहे हैं, जो वे पूरी जिंदगी करते हैं। यह है कठोर परिश्रम करना।' पिछले सीजन में सबसे नीचे रही थी सीएसके पिछले कुछ साल से CSK में धोनी के फ्यूचर को लेकर चर्चाएं चलती रही हैं। खासतौर पर IPL 2025 में चेन्नई सबसे नीचे रही थी। यह टीम की मौजूदगी वाले 16 आईपीएल सीजन में उसका सबसे खराब प्रदर्शन है। टीम अपने 14 मैच में से केवल 4 ही जीत सकी थी और प्लेऑफ की होड़ से बाहर होने वाली सबसे पहली टीम बनी थी। 44 साल के हो चुके धोनी ने कप्तानी छोड़ दी थी, लेकिन उन्हें नए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की कलाई फ्रेक्चर होने के बाद फिर से नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालनी पड़ी थी।

पिछले दिनों धोनी ने चेन्नई में एक इवेंट के दौरान अपने अगले सीजन के प्लान को लेकर स्पष्टीकरण दिया था। उन्होंने कहा था कि अभी यह तय करने के लिए 4-5 महीने हैं। क्या करना है, इसका फैसला लेने के लिए कोई जल्दबाजी नहीं है। अब धोनी जिस तरह से अपनी फिटनेस पर मेहनत कर रहे हैं, उससे उनकी मंशा साफ हो गई है। पिछले सप्ताह सीएसके के सीईओ कासी विश्वनाथन ने भी उनके रिटायरमेंट के कयासों पर पूरी तरह विराम लगा दिया था। विश्वनाथन ने कहा था कि नहीं, वह (धोनी) इस आईपीएल से पहले रिटायरमेंट नहीं ले रहे हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि धोनी अगला सीजन खेलने जा रहे हैं।

व्यापार

चीन की गर्दन पकड़ी, अमेरिका की बांह मरोड़ी एक ही दिन में भारत ने कैसे दिया दोनों को जवाब

एजेंसी नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट ने कल बुधवार को तीन बड़े फैसले लिए। इनमें एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन (EPM), क्रेडिट गारंटी स्कीम और क्रिटिकल मिनरल्स से जुड़े फैसले थे। इन तीनों फैसलों को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ और चीन की ओर से दुर्लभ खनिज (रेयर मिनरल्स) पर लगाई रोक से जोड़कर देखा जा रहा है। भारत सरकार ने अपने इन फैसलों से अमेरिकी और चीन, दोनों को जवाब दे दिया। बात पहले अमेरिका के टैरिफ को चुनौती देने की। दरअसल, अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इससे अमेरिका में सामान भेजना काफी महंगा हो गया है। इसका असर देश के उन सभी कारोबारियों पर पड़ रहा है जो अमेरिका को अपना सामान एक्सपोर्ट करते हैं। निर्यातकों को नुकसान हो रहा है। सितंबर में अमेरिका को निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है। एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन का उद्देश्य ऐसे कारोबारियों को राहत देना है जो दूसरे देशों में सामान भेजते हैं। एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

1. निर्यात प्रोत्साहन इसका लक्ष्य छोटे और मध्यम उद्योगों (MSMEs) के लिए व्यापार के लिए मिलने वाले कर्ज की लागत को कम करना है। इसके लिए ब्याज में छूट, एक्सपोर्ट फैक्टरिंग, गारंटी, क्रेडिट बढ़ाना और ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट क्रेडिट कार्ड जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। जिन सेक्टरों पर

हाल ही में वैश्विक टैरिफ बढ़ने का असर पड़ा है, जैसे टेक्सटाइल, लेदर, जेम्स और ज्वैलरी, इंजीनियरिंग गुड्स और समुद्री उत्पाद, उन्हें इसमें प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे में घरेलू निर्यातकों को अमेरिकी टैरिफ से बचाने में मदद मिलेगी।

2. निर्यात दिशा यह दूसरा हिस्सा है। इसमें पैसों के अलावा दूसरी तरह की मदद दी जाएगी। जैसे, एक्सपोर्ट की क्वालिटी और नियमों का पालन करने में मदद, ब्रांडिंग और पैकेजिंग को बेहतर बनाना, अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में हिस्सा लेने के मौके देना, एक्सपोर्ट के लिए वेयरहाउसिंग की सुविधा देना, लॉजिस्टिक्स (सामान पहुंचाने) में मदद करना और देश के अंदर सामान पहुंचाने के खर्च में छूट देना। ईपीएम के जरिए भारत अमेरिका के टैरिफ से निपटने की तैयारी कर रहा है। यह मिशन निर्यातकों को काफी राहत देगा और अमेरिका पर निर्भरता घटेगी। इस मिशन के तहत उन क्षेत्रों को विशेष सहायता दी जाएगी जो हाल के वैश्विक टैरिफ बढ़ोतरी से प्रभावित हुए हैं। इस मिशन के जरिए निर्यात ऑर्डर को बनाए रखने, नौकरियों की सुरक्षा करने और नए बाजारों में निर्यात को फैलाने में मदद मिलेगी। यह मिशन भारत को 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात लक्ष्य की ओर बढ़ने में मदद करेगा। सरकार ने क्रिटिकल मिनरल्स को लेकर भी फैसला लिया है। सरकार ने चार अहम खनिजों- ग्रेफाइट, जिरकोनियम, सीजियम और रुबिडियम के लिए रॉयल्टी की दरें बढ़ा दी हैं। इस फैसले का मकसद इन खनिजों के खनन और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। कैबिनेट के इस फैसले से सीजियम, रुबिडियम और जिरकोनियम वाले खनिज ब्लॉकों की नीलामी को बढ़ावा मिलेगा। सरकार के इस कदम से रेयर अर्थ को लेकर चीन पर निर्भरता कम होगी। ये चारों दुर्लभ खनिज काफी महत्वपूर्ण हैं। ग्रेफाइट को इलेक्ट्रिक वाहन (EV) की बैटरियों में एनोड के रूप में इस्तेमाल होता है। जिरकोनियम परमाणु ऊर्जा, एयरोस्पेस और स्वास्थ्य सेवाओं में बहुत इस्तेमाल होता है। सीजियम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, एटॉमिक क्लॉक, जीपीएस सिस्टम और कुछ कैंसर के इलाज में काम आता है। वहीं रुबिडियम का इस्तेमाल खास तरह के ग्लास, फाइबर ऑप्टिक्स, टेलीकम्युनिकेशन और नाइट विजन सिस्टम में होता है। चीन रेयर मिनरल्स का दुनिया में सबसे बड़ा निर्यातक है। ट्रंप के टैरिफ के बाद चीन ने सुरक्षा का हवाला देते हुए इनका एक्सपोर्ट रोक दिया था।

ना टैरिफ से, ना दुनिया की उथल-पुथल से... अब किसी से नहीं रुकेगी भारत की ग्रोथ, G-20 देश भी रह जाएंगे पीछे

एजेंसी नई दिल्ली

भारत की अर्थव्यवस्था अब उड़ान भरने के लिए तैयार है। अगले दो सालों में यह G-20 देशों में सबसे तेज गति से आगे बढ़ेगी। मूडीज रेटिंग्स ने अपनी ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2026-27 रिपोर्ट में यह बात कही है। मूडीज का अनुमान है कि साल 2027 तक भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5% रहेगी। भारत की आर्थिक ग्रोथ पर अमेरिकी टैरिफ और दुनिया भर की आर्थिक चुनौतियों का कोई ज्यादा असर दिखाई नहीं देखा। मूडीज के अनुसार भारत में बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश, लोगों की मजबूत खरीदारी की आदतें और निर्यात में विविधता भारत की आर्थिक रफ्तार को बनाए रखेंगी। हालांकि, निजी कंपनियां अभी भी बड़े निवेश करने में थोड़ी हिचकिचाहट दिखा रही हैं। भारतीय निर्यातकों ने कुछ उत्पादों पर 50% अमेरिकी टैरिफ का सामना करते हुए अपने निर्यात को दूसरी जगहों पर मोड़ने में सफलता पाई है। सितंबर में अमेरिका को होने वाले शिपमेंट में

11.9% की गिरावट के बावजूद भारत के कुल निर्यात में 6.75% की बढ़ोतरी हुई। मूडीज ने भारत की इस स्थिरता का श्रेय भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की आसान मौद्रिक नीति और कम महंगाई को दिया है। इन वजहों से देश के अंदर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में RBI ने अक्टूबर में अपनी रेपो दर को स्थिर रखा, जो दर्शाता है कि वे नीतिगत फैसलों को लेकर सतर्क हैं, क्योंकि महंगाई कम है और विकास मजबूत है। मूडीज ने यह भी बताया कि विदेशी निवेशकों का भारत पर भरोसा बढ़ा है और वे यहां खूब पैसा लगा रहे हैं। इस वजह से बाहरी झटकों का असर कम हुआ है और देश में पैसों की कमी नहीं हुई है। हालांकि, मूडीज का कहना है कि देश के अंदर लोगों की खरीदारी ही विकास का मुख्य जरिया बनी हुई है। लेकिन, निजी कंपनियां अभी भी बड़े पैमाने पर व्यापार में निवेश करने के लिए पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं। मूडीज का अनुमान है कि 2026 और 2027 में दुनिया की जीडीपी ग्रोथ लगभग 2.5% से 2.6% के बीच रहेगी। यह विकास धीरे-धीरे और अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग गति से होगा। अमेरिका में आर्थिक रफ्तार धीमी लेकिन स्थिर बनी हुई है। लोगों की थोड़ी-बहुत खरीदारी और AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े निवेश और इस्तेमाल से इसे सहारा मिल रहा है। चीन की अर्थव्यवस्था 2025 में 5% की दर से बढ़ने की राह पर है। इसे सरकारी प्रोत्साहन और मजबूत निर्यात का सहारा मिल रहा है। मूडीज के मुताबिक साल 2027 तक चीन की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ धीरे-धीरे घटकर 4.2% हो जाएगी।

जनजातीय समुदाय के उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना पर काम जारी

एजेंसी नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि मंत्रालय आदिवासियों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात को बढ़ावा देने की योजना पर काम कर रहा है। गोयल ने आदिवासी व्यापार सम्मेलन में आदिवासी उद्यमियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आपके उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक योजना पर काम चल रहा है। चाहे ई-कॉमर्स के माध्यम से हो या अंतरराष्ट्रीय गोदाम बनाकर, ताकि आपके उत्पाद वहां प्रदर्शित हो सकें, आपके उत्पाद वहां उपलब्ध हो सकें और लोग आकर उन्हें खरीद सकें।'मंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने जनजातीय मामलों के मंत्रालय के लिए धन आवंटन में उल्लेखनीय वृद्धि की है। गोयल ने यह भी सुझाव दिया कि उद्यमी उन वस्तुओं की पहचान करें जिन्हें भौगोलिक संकेतक (जीआई) के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है। भौगोलिक संकेतक के अंतर्गत आने वाली वस्तुओं को 10 वर्षों के लिए कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है। बुधवार को यशोभूमि में संपन्न हुए जनजातीय व्यापार सम्मेलन का उद्देश्य जनजातीय उद्यमिता को मजबूत करना और समावेशी वृद्धि को गति देना था। डीपीआईआईटी, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, जनजातीय कार्य मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस सम्मेलन में जनजातीय क्षेत्रों में उद्यम-आधारित विकास को गति देने पर एक दिवसीय संवाद के लिए 250 से अधिक जनजातीय उद्यमियों को आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में एमएसएमई, कौशल विकास एवं उद्यमिता, वस्त्र, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी रही। इस मौके पर जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम ने कहा कि सरकार इन उद्यमियों के विकास के लिए काम करने को प्रतिबद्ध है।

उत्पन्ना एकादशी के दिन तुलसी और शंख से कर लें ये उपाय, हर परेशानी हो जाएगी दूर

मार्गशीर्ष मास में पड़ने वाली उत्पन्ना एकादशी को महत्वपूर्ण और कल्याणकारी माना जाता है। यह दिन भगवान विष्णु की पूजा के लिए समर्पित होता है। इस बार 15 नवंबर 2025, शनिवार के दिन उत्पन्ना एकादशी का व्रत पड़ रहा है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से जीवन में कष्टों से छुटकारा मिलता है और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। उत्पन्ना एकादशी के दिन तुलसी और शंख से कुछ विशेष उपाय करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और बाधाओं से मुक्ति मिलती है।

उत्पन्ना एकादशी के दिन जल में तिल डालकर स्नान करना बेहद ही शुभ माना जाता है। तिल से स्नान करने से शरीर और मन की शुद्धि होती है। इस उपाय से सभी पापों के नाश होता है और पुण्य की प्राप्ति होती है।

उत्पन्ना एकादशी के दिन भगवान विष्णु को तुलसी का पत्ता अर्पित करें। इस दिन तुलसी के पौधे की पूजा करने और घी का दीपक जलाने से घर में सुख-शांति बनी रहती है। ऐसा करने से भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। शास्त्रों के अनुसार, पीला रंग भगवान विष्णु को अति प्रिय है। भगवान विष्णु को पीतांबर धारी भी कहा जाता है। ऐसे में उत्पन्ना एकादशी के दिन पीले वस्त्र धारण करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इससे आर्थिक स्थिति में सुधार होता है और जीवन में धन प्राप्ति के अवसर मिलते हैं।

एकादशी के दिन गरीबों और जरूरतमंद लोगों को भोजन करना और दान करना अत्यंत शुभ माना गया है। इससे जीवन में समृद्धि आती है और भगवान विष्णु की कृपा से घर में कभी भी अन्न की कमी नहीं होती है। इस दिन सूर्योदय और सूर्यास्त के समय घर के मुख्य द्वार पर घी का दीपक जलाने से दरिद्रता दूर होती है।

उत्पन्ना एकादशी पर आर्थिक संकट दूर करने के उपाय हिंदू धर्म में शंख को भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में उत्पन्ना एकादशी के दिन शंख बजाना अत्यंत शुभ और लाभकारी माना जाता है। इस दिन शंख बजाने से आर्थिक संकट दूर होते हैं। शंख की आवाज से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है।

पर्स में नहीं टिक रहा पैसा, आमदनी से ज्यादा खर्च से हैं परेशान, अपनाएं ये आसान वास्तु टिप्स

अकसर लोग इस बात को लेकर परेशान रहते हैं कि मेहनत करने के बाद भी उनके पास पैसा नहीं टिक पाता। अच्छी खासी कमाई होने के बाद भी खर्चे इतने बढ़ जाते हैं कि बचत करना नामुमकिन हो जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इसका कारण घर या ऑफिस में कुछ छोटे-छोटे वास्तु दोष होते हैं, जो धन के प्रवाह को रोकते हैं। समय रहते इन दोषों को दूर करने से आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार आ सकता है और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है। आइए जानते हैं वास्तु के कुछ आसान टिप्स जो इन दोषों को दूर कर आपकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाते हैं।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर दिशा धन और समृद्धि से जुड़ी होती है, जिसके स्वामी धन के देवता कुबेर हैं। इस क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने से आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। उत्तर दिशा में पानी का फव्वारा लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। पानी के फव्वारे से बहता पानी धन के प्रवाह से जुड़ा होता है। रसोई घर को सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक माना जाता है। यह घर के स्वास्थ्य और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वास्तु के अनुसार, रसोई घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में होना चाहिए। ध्यान रखें कि घर की उत्तर दिशा में रसोई घर न बनाएं। इससे आपकी आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। वास्तु शास्त्र में पौधे को जीवन और विकास का प्रतीक माना जाता है। अग्नि तत्व से जुड़े दक्षिण-पूर्व कोने में हरे पौधे लगाने से ऊर्जा का संतुलन बना रहता है और आर्थिक समृद्धि बढ़ती है। घर में रखें सूखे या मुरझाए हुए पौधे समृद्धि में बाधा डाल सकते हैं। घर में सीलन या नल से टपकता पानी आपकी आर्थिक स्थिति को बर से बदतर कर सकता है। ऐसे में अपने घर की दीवारों में सीलन या कहीं से पानी टपक रहा हो तो उसे तुरंत ठीक करवाएं। ये आय के स्रोत में बाधा उत्पन्न करता है और हो सकते हैं खर्चे बढ़ने का कारण बनता है।

घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा सबसे अच्छी दिशा मानी जाती है। वास्तु के अनुसार, लॉकर को इस दिशा में उत्तर दिशा की ओर मुंह करके रखना शुभ माना जाता है। यह उपाय आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि लाने में मदद करती है।

घर में विंड चाइम लगाना बेहद ही शुभ माना जाता है। इसकी आवाज नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ता है। इसके साथ ही यह तनाव को कम करता है और मानसिक स्थिरता लाता है। इसके अलावा घर में मनी प्लांट रखने से धन और समृद्धि को आकर्षित होती है।

हनुमानजी की चाल में फंसी रावण की पत्नी, मिल गया प्रभु राम को रावण की मृत्यु का सामान, और हुआ रावणराज का अंत

भगवान राम और रावण से बीच जिस समय भयंकर युद्ध चल रहा था तब बार बार श्री राम के प्रहार के बाद भी रावण परास्त नहीं हो रहा था। जैसे ही भगवान राम उसपर अपने शस्त्रों से वार करते वैसे ही रावण भयंकर हंसी के साथ रणभूमि में फिर खड़ा हो जाता है। यह सारा दृश्य देखकर भगवान राम और लक्ष्मण बहुत चिंतित हो उठे। तभी युद्धभूमि में विभीषण ने रावण की मृत्यु से जुड़ा बड़ा रहस्य भगवान राम को बताया। उधर भगवान राम के प्रिय भक्त पवन पुत्र हनुमान के लिए तो एक इशारा ही काफी था और उन्होंने अपनी चतुर बुद्धि से रावण की पत्नी मंदोदरी को ऐसा उलझाया की अपने पति की मौत के शस्त्र का रहस्य हनुमानजी से कह बैठी। हनुमानजी ने तुरंत ही वह शस्त्र लाकर भगवान राम को वो सौंप दिया जिसके प्रहार से रावण का वध और और रावण राज का अंत संभव हो पाया। एक बार रावण ने ब्रह्माजी को प्रसन्न करने के लिए कठोर तपस्या की थी। रावण की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने उनसे वरदान मांगने के लिए कहा। रावण ने वरदान में अमरत्व का वरदान मांगा। रावण का वरदान सुनकर पहले तो ब्रह्मजी ने वरदान देने से इनकार कर दिया और कहा कि अमरता का वरदान नहीं दिया जा सकता है। ब्रह्माजी ने रावण को एक और मौका दिया और कहा कि तुम कुछ और वरदान मांग लो। लेकिन, रावण हटी था और वह अपने हट से नहीं हटा और उसी वरदान पर अड़ा रहा। ब्रह्माजी असमंजस में आ गए इसके बाद ब्रह्मा जी ने रावण को एक बाण दिया और उसे कहा कि सिर्फ इस बाण के प्रहार से ही तुम्हारी मृत्यु होगी। इसके अलावा कोई भी अस्त्र शस्त्र के प्रयोग से तुम्हारी मृत्यु नहीं हो पाएगी। रावण ने तुरंत ही वो बाण लेकर अपने राजमहल में अपने सिंहासन के सामने वाली दीवार पर चिनवा दिया। इस बाण के बारे में रावण के अलावा सिर्फ उसकी पत्नी मंदोदरी ही जानती थी। जिस समय भगवान राम और रावण के बीच युद्ध चल रहा था उस समय जैसे ही भगवान राम रावण पर प्रहार करते तो उसके सिर और हाथ बार बार निकल आते। उसके जिस भी अंग पर प्रहार होता वह फिर से जिंदा उठा खड़ा होता। तब विभीषण ने भगवान राम को बताया कि रावण की नाभि में अमृत पान है। अगर रावण की नाभि पर वार किया जाए तो वह पराजित हो जाएगा। लेकिन, उसे सिर्फ एक बाण से ही मारा जा सकता है जो ब्रह्माजी ने रावण को दिया है। लेकिन, वह बाण कहां पर है इसकी जानकारी विभीषण को भी नहीं थी। रावण को मृत्यु के लिए ब्रह्मा जी का तीर का पता लगाने की जिम्मेदारी पवन पुत्र हनुमानजी को दी गई। हनुमान जी तुरंत ही लंका पहुंचे और ज्योतिष का रूप धारण कर लिया। जब लंका में चर्चा हुई की कोई बहुत ही विद्वान ज्योतिष आए है तो रावण की पत्नी मंदोदरी ने ज्योतिष को आमंत्रित किया । मंदोदरी ज्योतिष से अपना भविष्य जानना चाहती थी। ज्योतिष का रुप धारण करके आए हनुमानजी मंदोदरी को अपनी बातों में उलझाने लगे और मंदोदरी से बातों ही बातों में ब्रह्मा जी के उस बाण का जिक्र कर दिया और कहा कि उस बाण से रावण पर कोई बड़ा संकट आ सकता है। मंदोदरी तुरंत ही कहती है कि ऐसा नहीं हो सकता है। वह तीर सुरक्षित स्थान पर ही । हनुमान जी मंदोदरी से बातों में बातों में बाण का पता लगा ही लेते हैं। हनुमान जी मंदोदरी से कहते हैं कि तुम उस तीर के बारे में किसी को कुछ मत बताना तब मंदोदरी कहती है कि वह तो एकदम सुरक्षित स्थान पर है। सिंहासन के सामने वाली दीवार के अंदर बाण रखा हुआ है। हनुमानजी के लिए यह इशारा ही काफी था वह तुरंत ही उस खंभे के पास पहुंचे और एक ही मुक्के से वह खंभा तोड़कर बाण ले लिया और प्रभु राम को ले जाकर सौंप दिया। उसी बाण से भगवान राम ने रावण का वध कर दिया। इस तरह से मंदोदरी की एक भूल से रावण का वध संभव हो पाया और इस तरह हुआ रावण राज का अंत।

आर्थिक राशिफल : अनफा योग से मकर सहित इन राशियों का होगा भग्योदय, शुरू होंगे अच्छे दिन

मेष राशि चंद्रमा के कन्या राशि में प्रवेश करने से मेष राशि के जातकों को शुभ समाचार प्राप्त होगा। इसके फलस्वरूप आपको मांगलिक कार्यों में शामिल होने का मौका मिलेगा। इस दौरान आपके शुभ खर्चों में इजाफा होगा और समाज में आपकी कीर्ति बढ़ेगी। आज सप्तम प्रमुख विजय भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। ऐसे में शाम 5 बजे तक कोई खास डील फाइनल होने की संभावना है। राज्य से विशेष सम्मान प्राप्त हो सकता है

वृष राशि का आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। इस दौरान किसी देवस्थान की यात्रा का अवसर मिलेगा, जिससे आपके मन को सुकून मिलेगा। वृष राशि वालों को कानूनी विवाद में जीत मिलेगी। स्थान परिवर्तन की योजना भी आपकी सफल होती दिख रही है। दिन के उत्तरार्ध में उलझनों के बावजूद आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। वहीं, कार्यालय में भी आपके अनुकूल वातावरण बना रहेगा। इस दौरान आपके साथी भी आपका सहयोग करेंगे।

मिथुन राशि के जातकों का दिन काफी रचनात्मक रहने वाला है। ऐसे में किसी रचनात्मक काम को पूरा करने में आपका दिन बीत सकता है। शुक्रवार के दिन आपको जो काम सबसे अधिक प्रिय है उसे करने का पूरा अवसर मिलेगा। ऐसे में आप अपना पसंदीदा कार्य करने से रिलैक्स मूड में रहेंगे। इस दौरान आपके दिमाग के नई योजनाएं भी आ सकती हैं, जिनपर आप आगे चलकर विचार कर सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग से आपको अच्छा फायदा होगा।

कर्क राशि वालों के लिए आजा के दिन मान-सम्मान की प्राप्ति होती दिख रही है। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। लगन के साथ किए हुए कार्यों का फल आपको तुरंत मिल जाएगा। इस दौरान अधूरे रह गए कार्यों को पूरा करने का पर्याप्त समय मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण चर्चाएं होती दिख रही हैं। ऑफिस में भी आपका सिक्का चलेगा। अपने विचारों के मुताबिक आप माहौल बनाने में सफल रहेंगे। इस दौरान आपको अपने सहकर्मियों का भी सहयोग मिलेगा। वही, रात का समय विवाह में जाने का अवसर मिल सकता है।

सिंह राशि आज का दिन सिंह राशि वालों का काफी व्यस्त रखने वाला है। दिन धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में ही गुजरने वाला है। ऐसे में अगर आप पढ़ाई-लिखाई के लिए थोड़ा समय निकाल सके तो आगे के लिए अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको थोड़ा सतर्क रहने की जरूरत है। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों में रूकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं। रात का समय आपका मंगलमय कार्यों में व्यतीत होगा।

कन्या राशि के जातकों को आज के दिन अधिक सावधान रहने की जरूरत है। आस-पास के लोगों से या सहकर्मियों के साथ किसी प्रकार के टकराव की नौबत आ सकती है। ऐसे में बातचीत करते समय सावधानी बरतें। घर-परिवार में किसी शुभ और मंगलकारी कार्यों की चर्चा हो सकती है। भाग्य का साथ भी मिलता हुआ दिख रहा है। रात के समय स्थिति में और भी सुधार होगा

तुला राशि आज का दिन तुला राशि के जातकों के लिए कई तरह के शुभ अवसर लेकर आ रहा है। भाग्य का साथ मिलने से दिन आपके लिए लाभकारी रहेगा। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज के दिन सुलझते हुए दिख रहे हैं। नए प्रोजेक्ट पर भी कुछ काम शुरू हो सकता है। जमीन जायदाद के मामले में कुछ परेशानी खड़ी हो सकती है। परिवार और आस-पास के लोग ही इस परेशानी का कारण बनते हुए दिख रहे हैं।

वृश्चिक राशि आज का दिन वृश्चिक राशि वालों की आर्थिक स्थिति के लिहाज से लाभदायक रहने वाला है। माली हालात आज के दिन काफी मजबूत रहेगी। दिनभर आपको लाभ के कई अवसर प्राप्त होंगे। ऐसे में आपके लिए बेहतर होगी कि अपने कार्यों को पूरी ईमानदारी के साथ करते रहें। इस दौरान आपको परिवार का साथ मिलेगा और घर में सुख शांति बनी रहेगी। नौकरी या व्यापार में कुछ नया प्रयोग आपके लिए भविष्य में लाभ लेकर आएगा।

धनु राशि वालों को आज के दिन हर काम सोच समझकर करना होगा। कार्यक्षेत्र या व्यापार में अधिक सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी। बिजनेस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठाने से बड़ा लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। रोजमर्रा के कामों के अलावा आज के दिन कुछ नए कामों में आप हाथ आजमा सकते हैं। किसी अपने की आज आपको मदद करनी पड़ सकती है। हो सकता है कि कुछ पैसों का इंतजाम करना पड़े।

मकर राशि के जातकों का आज का दिन सामान्य रहने वाला है। भागीदारी में किए गए व्यापारिक कार्यों से काफी मुनाफा होता दिख रहा है। रोजमर्रा के घरेलू कामों को आज के दिन पूरा करने का सुनहरा अवसर है। परिवार से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण फैसले आपको लेने पड़ सकते है। हो सकता है कि आपको पुत्र-पुत्री के संबंध में कोई बड़ा फैसला लेना पड़े। एक साथ कई तरह के काम हाथ में लेने से थोड़ी परेशानी बढ़ सकती है।

कुंभ राशि स्वास्थ्य को लेकर कुंभ राशि के जातकों को थोड़ा सतर्क रहना होगा। स्वास्थ्य के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही आपकी परेशानी बढ़ा सकती है। मौसम परिवर्तन होने से कई बीमारियां दस्तक दे सकती हैं। ऐसे में अपने खान-पान में लापरवाही बिल्कुल न बरतें। व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें।

मीन राशि वालों का आज का दिन लाभकारी रहेगा। व्यापार में जोखिम उठाने से आपको अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। हालांकि इस दौरान कुछ परेशानियां आ सकती है, लेकिन धैर्य और अपने व्यवहार से आप उनसे पीछा छुड़ा लेंगे। अपनी बुद्धि का प्रयोग करके आप वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसकी आपको अभी तक कमी रही है। किसी संकटग्रस्त व्यक्ति की सहायता करना आपके लिए शुभ रहेगा।

फिटकरी से जुड़े ये आसान उपाय करने से घर आती है बरकत, धन-दौलत की नहीं होगी कमी

आमतौर पर फिटकरी को एंटीसेप्टिक यानी रोगाणुनाशक गुणों के लिए जाना जाता है। लेकिन फिटकरी का इस्तेमाल सिर्फ घावों को साफ करने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि वास्तु और ज्योतिषीय दृष्टिकोण से फिटकरी कई समस्याओं को दूर करने में मददगार मानी जाती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक अगर आप भी घर में सकारात्मकता बनाए रखना चाहते हैं, तो आप फिटकरी से जुड़े कुछ उपाय कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फिटकरी के कुछ उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको करने से घर और जीवन में सुख और शांति आती है। बता दें कि फिटकरी में वातावरण की निगेटिव एनर्जी को सोखने की विशेष क्षमता होती है। तो अगर आप रोजाना पानी में थोड़ा सा फिटकरी मिलाकर घर में पोंछा लगाते हैं। इस उपाय को करने से तनाव, क्लेश और निगेटिविटी दूर होती है। वहीं घर में सुख-शांति बनी रहती है और पॉजिटिव एनर्जी का वास होता है। अगर आपके व्यापार में अचानक से गिरावट आ गई है, या फिर दुकान पर ग्राहकों की आवाजाही कम हो गई है। तो आप फिटकरी

को काले कपड़े में बांधकर अपने व्यापार स्थल के मुख्य दरवाजे पर टांग दें। इस उपाय को करने से व्यापार में फिर से बरकत आती है और बुरी नजर का असर कम होता है। अगर रात में बच्चों को डरावने सपने आते हैं या बच्चे रात में डरकर उठ जाते हैं, तो मंगलवार या शनिवार की रात सोते समय बच्चे के सिरहाने पर 50 ग्राम फिटकरी रख दें। इस उपाय को करने से बच्चों की नींद में सुधार होगा और डर की भावना दूर होगी। एक कटोरी में फिटकरी का टुकड़ा रखकर बाथरूम में रख दें। फिर हर महीने इसको ध्यान से बदलते रहें। इस उपाय को करने से पारिवारिक सदस्यों की उन्नति होगी और आरोग्य की प्राप्ति होगी। बता दें कि फिटकरी निगेटिव एनर्जी को अपने अंदर समाहित कर लेती है और ऐसा करने से धन वृद्धि के योग बनते हैं और अटके हुए धन की प्राप्ति होती है। अगर पति-पत्नी के बीच बार-बार लड़ाई-झगड़े हो रहे हैं या फिर रिश्तों में तनाव बढ़ रहा है, तो काले कपड़े में फिटकरी बांधकर उसको बिस्तर के नीचे रखें। यह उपाय करने से आपसी रिश्तों में सुधार आने लगता है और मानसिक तनाव भी कम होता है।

अंग्रेजी हुकूमत के दौर की झलक दिखाता है रानीपुर पुलिस म्यूजियम

मध्यप्रदेश का एकमात्र पुलिस संग्रहालय युवाओं को इतिहास से जोड़ता हैं -दिव्या चौधरी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

भौतिक सुविधा और पश्चिमी सभ्यता हमारी मूल संस्कृति को नुकसान पहुंचाने का काम कर रही है ऐसे में प्राचीन धरोहर को यदि पुलिस म्यूजियम के तहत सजाने का काम यदि किया है तो वाकई यह काम तारीफ है काबिल है यह बात मिसेज यूनिवर्स 2025 का खिताब जीतने वाली दिव्या चौधरी ने रानीपुर पुलिस म्यूज़ियम में पहुंच कर अवलोकन करते हुए व्यक्ति किया सारनी प्रवास के दौरान उन्होंने प्रदेश के पहले पुलिस म्यूजियम की सराहना करते हुए कहा कि यह स्थान इतिहास और विरासत को करीब से महसूस कराता है। उन्होंने ब्रिटिश शासनकाल में उपयोग की जाने वाली पुरानी वर्दियां,हथियार,स्टेशनरी और दस्तावेज देखकर आश्चर्य व्यक्त किया। म्यूजियम के हर कक्ष में मौजूद प्राचीन सामग्री ने उन्हें पुलिस बल के समर्पण और अनुशासन की याद दिलाई है।

पुलिस अधिकारियों से की बातचीत पुराने उपकरणों में दिखाई रुचि : रानीपुर म्यूजियम के दौरे के दौरान दिव्या चौधरी ने म्यूजियम प्रभारी प्रधान आरक्षक पूनम तिवारी और पुलिस अधिकारियों से बातचीत की,उन्होंने यह भी जाना कि पुराने समय में किस तरह बिना तकनीकी साधनों के अपराधों की जांच होती थी। दिव्या ने कहा कि यह म्यूजियम नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा है,जो पुलिस बल के संघर्षों और त्याग को समझने में मदद करता है,उन्होंने विभिन्न सेक्शन जैसे वायरलेस सिस्टम,हथकड़ी संग्रह,

डाक्यूमेंट रूम और पुरानी फोटो गैलरी का विस्तार से अध्ययन किया।उनके साथ आए स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशंसकों ने इस अवसर पर उनका स्वागत किया।म्यूजियम भ्रमण के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए दिव्या चौधरी ने कहा कि ऐसे संग्रहालय समाज को अपनी जड़ों से जोड़ते हैं।उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में जहां इतिहास भुलाया जा रहा है,वहीं इस तरह के प्रयास हमारे अतीत को सजीव रखते हैं। उन्होंने रानीपुर पुलिस विभाग की सराहना करते हुए कहा कि यहां की साज-सज्जा,अनुशासन और प्रस्तुति वाकई प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि जल्द ही वे इस म्यूजियम को राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने के लिए अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर साझा करेंगी ताकि ज्यादा लोग इस ऐतिहासिक धरोहर को देख सकें।

बाबा की चौखट पर टेका माथा

जलपरी को देखने पंहुंची मिसेज़ यूनिवर्स दिव्या चौधरी

जन परिषद के कार्यक्रम मे शामिल हुई दिव्या चौधरी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

सतपुड़ा पावर प्लांट के मुख्य द्वार पर बने सेल्फी पॉइंट पर जलपरी को देखने पहुंची मैसेज यूनिवर्स दिव्या चौधरी ने चीफ इंजीनियर की जमकर तारीफ की जन परिषद सारनी चेप्टर कार्यक्रम मे मिसेज़ दिव्या चौधरी का अपर रेस्ट हाउस मे भव्य स्वागत किया गया।

इस मौके पर चीफ इंजीनियर बीके केथवार,संयोजक राम जी श्रीवास्तव,प्रांतीय सचिव नितिन श्रीवास्तव,डीएम नरेश पनवार ग्राम भारती महिला मंडल के अध्यक्ष भारती अग्रवाल केबीसी में सात लाख रुपए जीतने वाले शैलेश चौधरी, साधना चौधरी, विधायक प्रतिनिधि भीम बहादुर थापा,विलास चौधरी,सारनी चैप्टर के अध्यक्ष अब्दुल रहमान खान, काली चौरासे,धर्मेंद्र राय,स्टार डेकोरेशन संचालक अनवर खान सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीफ इंजीनियर व्ही. के.कैथवार ने कहा कि पावर जनरेटिंग कंपनी ने 7 से 14 वर्ष कि आयु वाली बालिकाओं का वेक्सीन कि खुराक पिलाकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव किया है,उन्होंने कहा कि जन परिषद एक संस्था नहीं एक परिवार की तरह काम करता है।आज हमारे बीच मैसेज यूनिवर्स दिव्या चौधरी ने लोगो को मार्गदर्शन

दिया है।इस मौके पर एबीसी की हॉट सीट तक पहुंचने वाले शैलेश चौधरी ने कहा कि मेहनत एवं लगन से किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है।जन परिषद सारनी चेप्टर अध्यक्ष अब्दुल रहमान खान ने कहा कि जन परिषद ऐसी ही परिवारवाद की कल्पना करता है । जन परिषद के और विस्तार एवं सक्रियता का भरोसा दिया कार्यक्रम के अंत मे मिसेज़ यूनिवर्स ने पावर प्लांट के मुख्य द्वार पर सेल्फी प्वाइंट बने जलपरी एवं आर्टिफिशियल पेड़ों को देखने पहुंची और चीफ इंजीनियर श्री खेतवास की काफी तारीफ की मिसेज़ यूनिवर्स दिव्या चौधरी ने बाबा मठार देव मंदिर पहुंचकर माथा टेक कर आशीर्वाद माँगा।

47 वीं अंतर-क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता

सतपुड़ा ताप विद्युत गृह की टीम ने तृतीय स्थान किया हासिल

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा आयोजित 47वीं अंतर-क्षेत्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में सतपुड़ा ताप विद्युत गृह, सारनी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया।

सारनी ने चचाई को 3-0 से हराया सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी क्षेत्र की टीम ने टीम इवेंट के मुकाबले में चचाई टीम को 3-0 के सीधे सेटों से पराजित कर (तृतीय स्थान) अपने नाम किया। प्रतियोगिता का फाइनल मैच खंडवा और जबलपुर मुख्यालय की टीमों के बीच खेला जाना है। व्यक्तिगत मुकाबलों के परिणाम प्रतियोगिता के व्यक्तिगत वर्ग के मुकाबले भी रोमांचक रहे, जिनके कुछ प्रमुख परिणाम वेटरन युगल एक संघर्षपूर्ण फाइनल मुकाबले में मुख्य अभियंता व्ही. के.कैथवार और प्रवीण राय की जोड़ी ने हेमराज शाक्य और सुनील थंगप्पन को हराकर खिताब जीता। वेटरन एकल सेमी-फाइनल मुकाबले में अरविंद कुमार ने डी.के. तिवारी को पराजित कर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उनका मुकाबला नरेंद्र मलहात्रे से होगा जो दूसरी ओर से फाइनल में पहुंचे हैं। ओपन एकल इस वर्ग के मुकाबले में जबलपुर के प्रतीक कनकने ने आकाश श्रीवास को हराकर जीत हासिल की रेफरी और संचालन प्रतियोगिता में मैचों के लिए रेफरी की भूमिका अनुराग राकेश,जयदीप अग्रवाल और हरभजन सिंह के खिलाड़ियों द्वारा बखूबी निभाई जा रही है। प्रतियोगिता का सफल संचालन वरिष्ठ खिलाड़ी रमेश भोयर,प्रवीण राय और सुनील थंगप्पन द्वारा किया जा रहा है। आगे के मुकाबलेः टीम इवेंट के साथ-साथ ओपन एकल,युगल और वेटरन एकल के फाइनल मुकाबले 14 नवंबर प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होंगे।आयोजक समिति ने इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील स्थानिक खेल प्रेमियों से की है।

मौसम परिवर्तन होने से मरीजों की संख्या में हुआ इजाफा

सर्दी खांसी और शरीर में ऐंठन के बीमारी के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

अचानक मौसम परिवर्तन हो जाने की वजह से मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है सर्दी खांसी बुखार और शरीर में ऐंठन के मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है दो दिन से अचानक शीत लहर बढ़ जाने के कारण इस तरह का मौसम परिवर्तन होना बताया जा रहा है। शासकीय अस्पतालों के अलावा निजी अस्पतालों में भी अब मरीजों की संख्या में इजाफा होते देखा जा सकता है। जानकारों का कहना है कि एकदम से मौसम परिवर्तन हो जाने के कारण इस तरह का माहौल निर्मित हो रहा है।

जो खदान अधिकृत वहां पर रेत का भंडारण अधिक नहीं

ढोकली रेत खदान को लेकर एक बार फिर असमंजस की स्थिति वन क्षेत्र से निकल रही रेत खनिज और वन विभाग मौन

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

ढोकली (खैरवानी)रेत खदान को लेकर असमंजस की स्थिति निर्मित हो गई है अब एक बार फिर जजालपुर की तरह ढोकली(खैरवानी)की रेत खदान को भी निरस्त करने की मांग उठने लगी है। बताया जाता है कि राजस्व विभाग में खैरवानी के ढोकली के पास जहां पर रेत खदान अधिकृत रूप से घोषित की गई है वहां पर रेत का भंडारण ही नहीं है ठेकेदारों के माध्यम से वन क्षेत्र के वहां से रेता उठाकर बेचे का काम किया जा रहा है हालांकि ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी राजस्व,वन विभाग और खनिज विभाग को ना हो लेकिन सबकी मौन स्वीकृति से वन क्षेत्र से लंबे समय से रेता चोरी किए जाने का कारोबार संचालित हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि 5 वर्ष में एक बार रेत की खदानों का सीमांकन किया जाता है और इस खदान का सीमांकन किया जा चुका है ऐसे में एक बार फिर राजस्व वन और खनिज विभाग के लोगों को संयुक्त रूप से टीम बनाकर खैरवानी की ढोकली खदान का निरीक्षण करके इसकी नापा तोली की जानी चाहिए। 2 वर्ष पूर्व कलेक्टर के माध्यम से ताबड़तोड़ रेत का अवैध कारोबार करने वाले लोगों के खिलाफ में कार्रवाई की गई थी उसके बाद से कार्रवाई बंद हो जाने के कारण एक बार फिर छूट भैया रेता चोरों के हौसले बढ़ते जा रहे हैं। कुछ लोग पर्यावरण और राजस्व खजाने को नुकसान का हवाला देकर खुद की जेबों को गर्म करने की हर संभव कोशिश करने का प्रयत्न कर रहे हैं लेकिन रेत से जुड़े कारोबारी के माध्यम से इनकी बातों को महत्व नहीं दिया जा रहा है जिसकी वजह से दुनिया भर के नियम और कानून की बात रेत विक्रेता के विरोध मे कुछ लोग परोसने का काम कर रहे हैं।

सीएम हेल्पलाइन का एक बार फिर दुरुपयोग होना हो रहा साबित : बैतूल जिले के खैरवानी ढोकली में जो रेत की खदान है उसे रेत की खदान का संचालन आसपास के ग्रामीणों को छोड़कर परासिया दमुआ के अलावा नगर पालिका परिषद सारनी क्षेत्र और उसके बाहर के लोगों के माध्यम से सीएम हेल्पलाइन लगाने का काम किया जा रहा है,आश्चर्य की बात तो यह है कि वन संपदा और भूमि को यदि नुकसान हो रहा है तो खैरवानी ढोकली क्षेत्र के लोगों को इसकी शिकायत की जानी चाहिए ना कि छिंदवाड़ा जिले और नगर पालिका परिषद सारनी के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों इससे यह प्रतीक होता है कि एक बार फिर खैरवानी की ढोकली रेत खदान को लेकर कुछ लोग अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए भ्रम और तथ्यहीन जानकारियां परोस कार प्रशासन को गुमराह करने का काम कर रहे हैं एक बार फिर जिला कलेक्टर को 2 वर्ष पूर्व की तरह अवैध रेता का कारोबारीओ पर लगाम लगाने की आवश्यकता दिखाई देने लगी है।

उत्तर वन परिक्षेत्र के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध : कई वर्षों से खैरवानी(ढोकली) में रेत खदान संचालित हो रही है और हर वर्ष ठेकेदार बदल जाते हैं ऐसी स्थिति में वन विभाग राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम के माध्यम से राजस्व द्वारा सीमांकन करके लीज की रेत खदान की घोषणा कर सकते हैं लेकिन तीनों विभाग के मौन स्वीकृति से संबंधित खदान को छोड़कर वन क्षेत्र से अवैध रेत का परिवहन बे-खोब होकर संचालित हो रहा है लेकिन उत्तर वन परिक्षेत्र के बिड गार्डन सहित महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करने वाले जिम्मेदार अधिकारी अपने कर्तव्य और निष्ठा से मौन साथ कर बैठे हैं सारनी से ढोकली की दूरी लगभग 14 से 15 किलोमीटर है जबकि आसपास की नदियों में वर्तमान समय में बड़ी मात्रा में रेत का भंडारण बना हुआ है ऐसे में अधिकृत रेत खदान से ही रेता लाना संभव दिखाई नहीं देता यही वजह है कि वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका इस रेत खदान में संदिग्ध दिखाई देने लगी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949